Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 188 | शुक्रवार, 17 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

पुरी रथ यात्रा में भारी भीड़ से भगदड़ जैसी स्थिति

एक की मौत, कई श्रद्धालु अस्पताल में भर्ती

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

ओडिशा। ओडिशा के पुरी में गुरुवार को विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। इस घटना में कई श्रद्धालु घायल हो गए। एक श्रद्धालु की मौत की भी खबर है।

यह घटना बड़ा डांडा (ग्रैंड रोड) पर हुई, जहां भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ खींचने के कार्यक्रम को देखने के लिए लाखों श्रद्धालु जमा हुए थे।

बचाव अभियान शुरू किया गया

आपातकालीन बचाव दलों ने घायलों को तुरंत बाहर निकाला और पास के अस्पतालों में पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जिला प्रशासन, पुलिस, दमकल विभाग और स्वास्थ्य कर्मियों ने तुरंत बचाव और भीड़ को नियंत्रित करने का अभियान शुरू किया, ताकि स्थिति सामान्य की जा सके।

चश्मदीद ने क्या बताया?

पुरी में घटनास्थल पर मौजूद एक श्रद्धालु ने बताया कि मरीचि कुंड चौक के पास या तो बाहरी घेरे की रस्सी की बैरिकेड गिर गई या कुछ लोग अपना संतुलन खो बैठे और सड़क पर गिर गए। उन्होंने बताया कि उन्होंने लगभग 40 से 50 लोगों को एक-दूसरे के ऊपर गिरते देखा, जिससे कई श्रद्धालु घायल हो गए और चार से पांच को गंभीर चोटें आई हैं।

उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने लगभग 20 लोगों को बचाया और उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, और अब उन्हें पता चला है कि एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई है। इसके अलावा, सूत्रों ने यह भी दावा किया कि गुरुवार को श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व भीड़ और लगातार बारिश के बीच घुटन और विभिन्न चोटों की शिकायत करने वाले लगभग 200 मरीजों को अब तक पुरी के अस्पतालों और अस्थायी स्वास्थ्य सुविधाओं में भर्ती कराया गया है।

मुख्यमंत्री माझी ने क्या कहा?

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस घटना में हुई मौत पर गहरा दुख जताया। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जाए।

देश के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में एक है पुरी रथ यात्रा

जगन्नाथ रथ यात्रा भारत के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है। इसमें हर साल देश और विदेश से लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। भगदड़ के सही कारण की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। अधिकारी स्थिति का जायजा ले रहे हैं। गुरुवार को पवित्र तटीय शहर पुरी में भव्य वार्षिक रथ यात्रा देखने के लिए लाखों लोग एकत्रित हुए। विश्व प्रसिद्ध वार्षिक रथ यात्रा उत्सव की शुरूआत निर्धारित समय से पहले ही दिन में दिव्य भाई-बहनों और अन्य देवी-देवताओं के लिए 'पहंडी बीजे' अनुष्ठान के साथ हुई।

'पहंडी बीजे' अनुष्ठान के दौरान पवित्र भाई-बहनों और अन्य देवी-देवताओं को 12वीं शताब्दी के श्री जगन्नाथ मंदिर से उनके सजाए गए रथों तक भव्य शोभायात्रा के साथ ले जाया गया। इस दौरान घंटा, कहली और तेलिंगी बाजा जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मधुर और दिव्य ध्वनि पूरे वातावरण में गूंजती रही।

पुजारियों ने पवित्र वैदिक मंत्रों का जाप किया और पारंपरिक ओडिसी कलाकारों ने अपने मनमोहक नृत्य प्रदर्शनों से देवताओं का उनके जन्मस्थान माने जाने वाले गुंडिचा मंदिर में नौ दिवसीय प्रवास के लिए स्वागत किया। हालांकि, 'पहंडी बीजे' की रस्में निर्धारित समय से पहले शुरू हो गईं। लेकिन गुरुवार को उनके समापन में दो घंटे से अधिक की देरी हुई।

जयराम रमेश की दो टूक, परिसीमन विधेयक का कांग्रेस करेगी पुरजोर विरोध, विपक्ष को एकजुट रखेंगे

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा कि अगर संसद के आगामी मॉनसून सत्र में प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को फिर से पेश किया जाता है, तो पार्टी इसका पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एक ऐसे उपाय के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है, जिसे पहले लोकसभा में जरूरी दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाया था। कांग्रेस संसदीय रणनीति समूह की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, रमेश ने कहा कि पार्टी ने उन बिलों पर विस्तार से चर्चा की है जिन्हें सत्र के दौरान पेश किए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि पार्टी को अभी तक सरकार का आधिकारिक विधायी एजेंडा नहीं मिला है और 19 जुलाई को होने वाली सर्वदलीय बैठक में उन्हें इसकी जानकारी मिलेगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमने सुना है कि गृह मंत्री परिसीमन बिल को फिर से लाने की कोशिश कर रहे हैं। 17 अप्रैल को सरकार को इस बिल के लिए दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाया था, जो एक बड़ी हार थी। वे उस बिल को वापस लाना चाहते हैं। पार्टी का रुख दोहराते हुए रमेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का रुख हमेशा से साफ रहा है: हम परिसीमन बिल का पुरजोर विरोध करेंगे और आगे भी ऐसा करते रहेंगे। हम सभी विपक्षी दलों के बीच एकता बनाए रखने की हर संभव कोशिश करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्षी दलों में फूट डालकर कानून पास कराने के लिए जरूरी संख्या जुटाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सच है कि 17 अप्रैल से गृह मंत्री ने एक या दो विपक्षी पार्टियों में फूट डलवाई है।

इसरो से इस्तीफा देने वाले वैज्ञानिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही, सरकार ने नौकरी छोड़ने वाले नियम कड़े किये

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानि इसरो के महत्वाकांक्षी अभियानों से जुड़े वैज्ञानिकों के लगातार इस्तीफों और स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बढ़ते मामलों ने अब अंतरिक्ष विभाग की चिंता बढ़ा दी है। इसी के मद्देनजर विभाग ने 14 जुलाई को एक नया आंतरिक ज्ञापन जारी कर गगनयान सहित अन्य महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियानों में कार्यरत वैज्ञानिकों के इस्तीफे और स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति को लेकर नियम कड़े कर दिए हैं। हम आपको बता दें कि नए आदेश का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं पर अचानक किसी तरह का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े और अनुभवी वैज्ञानिकों की कमी के कारण मिशनों की गति प्रभावित न हो।# मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक हाल के महीनों में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के प्रमुख केंद्रों से वैज्ञानिकों के इस्तीफों की संख्या इतनी बढ़ गई कि अंतरिक्ष विभाग को हस्तक्षेप करना पड़ा। विभाग ने आधिकारिक रूप से इस्तीफों की संख्या का खुलासा नहीं किया है लेकिन संगठन से जुड़े कई सूत्रों का कहना है कि कम से कम 100 से 120 वैज्ञानिक संगठन छोड़ चुके हैं। इनमें से लगभग 80 वैज्ञानिक यूआर राव उपग्रह केंद्र से और करीब बीस वैज्ञानिक विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र से इस्तीफा दे चुके हैं। कुछ अन्य मामलों पर अभी भी विचार चल रहा है, जिससे यह संख्या आगे और बढ़ सकती है। सबसे अधिक चिंता इस बात को लेकर जताई जा रही है कि संगठन छोड़ने वालों में कई ऐसे वरिष्ठ और प्रतिभाशाली वैज्ञानिक भी शामिल हैं जिनकी भूमिका देश के सबसे महत्वपूर्ण अंतरिक्ष अभियानों में रही है। सूत्रों के अनुसार प्रक्षेपण यान एलवीएम-3 परियोजना के निदेशक विक्टर जोसेफ ने भी संगठन छोड़ दिया है। इसके अलावा स्पेडेक्स परियोजना के निदेशक ने भी इस्तीफा दिया है। चंद्रयान-3 अभियान से जुड़े एक युवा और अत्यंत प्रतिभाशाली वैज्ञानिक ने भी संगठन से विदाई ले ली है। इन इस्तीफों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केवल संख्या नहीं॰ बल्कि अनुभवी और विशेषज्ञ मानव संसाधन का नुकसान भी संगठन के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष वी नारायणन ने इस्तीफों की पुष्टि करते हुए कहा है कि किसी भी बड़े संगठन में कर्मचारियों का आना जाना सामान्य प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि नया आदेश केवल लोगों को रोकने के लिए नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि महत्वपूर्ण परियोजनाएं अचानक प्रभावित न हों। उनका कहना था कि यदि कोई वैज्ञानिक संगठन छोड़ता भी है तो उसकी जिम्मेदारी किसी अन्य सक्षम अधिकारी को सौंपी जाएगी और संगठन इस स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। हालांकि संगठन के कुल लगभग 14 हजार 600 से अधिक कर्मचारियों की तुलना में इस्तीफा देने वालों की संख्या बहुत अधिक नहीं मानी जा सकती, लेकिन चिंता इस बात की है कि यह कमी उन केंद्रों में हुई है जो देश के सबसे महत्वपूर्ण अंतरिक्ष अभियानों का नेतृत्व कर रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष के अंत तक यूआर राव उपग्रह केंद्र में 1339 कर्मचारी और विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में 4577 कर्मचारी कार्यरत थे। ऐसे में इन केंद्रों से अनुभवी वैज्ञानिकों का जाना भविष्य की परियोजनाओं के लिए चुनौती माना जा रहा है। चंद्रयान-3 अभियान से जुड़े वैज्ञानिक आदित्य राल्लापल्ली का उदाहरण इस चिंता को और स्पष्ट करता है। वह अभियान में अनुकरण परियोजना प्रबंधक के रूप में कार्यरत थे और उन्होंने उस दल का नेतृत्व किया था जिसने एक लाख से अधिक परीक्षणों के आधार पर लगभग 25 टेराबाइट आंकड़े तैयार किए।

हिंदू बच्चे को मिला 'इस्लामिक होमवर्क', भारी विवाद के बाद टीचर बर्खास्त

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तेलंगाना के हैदराबाद में एक प्राइवेट स्कूल टीचर को नौकरी से निकाल दिया गया है। यह कार्रवाई होमवर्क को लेकर हुए विवाद के बाद की गई, जिसमें कथित तौर पर छह साल के हिंदू छात्र को इस्लामिक धार्मिक रीति-रिवाजों से जुड़ी सामग्री पढ़ने के लिए कहा गया था।

पुलिस ने बताया कि उन्हें छात्र के एक रिश्तेदार से शिकायत मिली है और वे अभी आरोपों की जांच कर रहे हैं। जांच के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब बच्चे के परिवार ने छात्र की होमवर्क डायरी में लिखे निर्देशों पर आपत्ति जताई। रिपोर्ट के मुताबिक, लड़के की आंटी ने बताया कि असाइनमेंट में उसे इस्लाम की एक मुख्य मान्यता से जुड़ी जानकारी पढ़ने के लिए कहा गया था।

आंटी ने बताया कि उन्होंने इस मामले को लेकर स्कूल अधिकारियों से बात की और आरोप लगाया कि प्रिंसिपल ने उनसे कहा कि यह एक धार्मिक विषय है, जिसका पालन करना सभी छात्रों के लिए जरूरी है। महिला ने यह भी दावा किया कि बाद में टीचर ने कहा कि बच्चे की किताब में वे निर्देश गलती से लिख दिए गए थे।

घटना के बारे में बात करते हुए स्कूल की डायरी दिखाते हुए उन्होंने कहा कि धर्म से जुड़ा होमवर्क सिर्फ. उन्हीं छात्रों को दिया जाना चाहिए जो अपनी मजी से इसे पढ़ना चाहते हैं। उन्होंने शिक्षा विभाग से कार्रवाई करने की भी मांग की।

न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, विवाद के बाद स्कूल मैनेजमेंट ने गुरुवार को पुष्टि की कि संबंधित टीचर को नौकरी से निकाल दिया गया है।

इस मामले पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार और विश्व हिंदू परिषद ने भी कड़ी आलोचना की और दोनों ने ही स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस घटना पर कड़ी आपत्ति जताते हुए, बंदी संजय कुमार ने मांग की कि स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

लगातार ममता का साथ छोड़ रहे राज्यसभा सदस्य, अब रुक्मिणी कोयल मलिक ने दिया इस्तीफा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद से ममता बनर्जी का साथ छोड़ने वाले नेताओं की होड़ लगी हुई है। पहले विधानसभा में तमाम विधायकों ने अलग गुट बनाया, फिर तीन दिन में तीन राज्यसभा सांसदों ने (शुखेंदु शेखर राय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक) ने साथ छोड़ा। इसके बाद पार्टी के 20+ लोकसभा सांसदों ने बगावत कर, नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी का दामन थाम लिया। अब नए घटनाक्रम में पार्टी की राज्यसभा सांसद कोयल मलिक ने राज्यसभा के सदस्य का पद छोड़ दिया है। कोयल मलिक ने 6 अप्रैल 2026 को पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली थी। उन्हें तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा के लिए नामित किया था, हालांकि अब उनके अचानक इस्तीफे को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी के लिए एक बड़े राजनीतिक झटके के रूप में देखा जा रहा है। राजनीति में आने से पहले कोयल मलिक बंगाली फिल्म उद्योग का एक बेहद चर्चित और लोकप्रिय चेहरा रही हैं। उन्हें टॉलीवुड की 'टॉली-क्वीन' भी कहा जाता है। पिछले दो दशकों से वह बंगाली सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत साल 2003 में सुपरहिट फिल्म 'नेटर गुरु' से की थी। इसके बाद 'बंधन' (2004), 'शुभदृष्टि' (2005), 'पागलू' (2011), 'हेमलॉक सोसाइटी' (2012) और 'मितिन माशी' थ्रिलर सीरीज (2019) जैसी कई सफल फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाकर दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनाई। कोयल मलिक को अपने शानदार अभिनय के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिल चुके हैं। उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड बांग्ला, दो बीएफजेए अवॉर्ड और साल 2023 में पश्चिम बंगाल सरकार का प्रतिष्ठित 'महानायक सम्मान' प्रदान किया गया था। अगर उनके पारिवारिक जीवन की बात करें तो वह बंगाली सिनेमा के दिग्गज अभिनेता रंजीत मलिक और दीपा मलिक की बेटी हैं। फिलहाल उनके इस फैसले ने टीएमसी की राजनीति और पश्चिम बंगाल के सियासी गलियारों में हलचल बढ़ा दी है। तृणमूल ने फरवरी में पूर्व पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार, पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो, वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी और अभिनेत्री कोयल मलिक को राज्यसभा भेजकर राजनीतिक हलकों को चौंका दिया था। हालांकि सांसद बनने के बाद कोयल ने अब तक राज्यसभा की किसी भी कार्यवाही में हिस्सा नहीं लिया था। सोमवार से शुरू होने वाला मानसून सत्र उनका पहला संसदीय सत्र हो सकता था, लेकिन उससे पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भूपेंद्र यादव के साथ उनकी मुलाकात सामान्य राजनीतिक शिष्टाचार से कहीं अधिक महत्व रखती है। हाल के महीनों में तृणमूल के बागी सांसदों और विपक्षी खेमे के बीच संवाद स्थापित कराने में भी भूपेंद्र यादव की महत्वपूर्ण भूमिका बताई जाती रही है। ऐसे में अब सबकी नजर इस बात पर है कि क्या कोयल मलिक भी अपने पूर्व सहयोगियों के रास्ते पर चलते हुए भाजपा में शामिल होकर फिर से राज्यसभा पहुंचेंगी। इससे एक दिन पहले ही ममता बनर्जी के करीबी नेता मदन मित्रा ने भी टीएमसी के सभी पदों से इस्तीफा देने का एलान किया था।

'लोकतंत्र में सवाल पूछना बंद न हो': जान दांव पर लगी हो तो सरकार चुप क्यों? वांगचुक के समर्थन में बोले सिब्बल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे हैं। उनके इस अनशन और भूख हड़ताल को राज्यसभा सांसद और सुप्रीम कोर्ट के सीनियर वकील कपिल सिब्बल का समर्थन मिला है। सिब्बल ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि आज सोनम वांगचुक के आमरण अनशन का 18वां दिन है, लेकिन सरकार की ओर से अब तक बातचीत की कोई पहल नहीं की गई है।

कपिल सिब्बल ने कहा कि कोई व्यक्ति आखिर भूख हड़ताल पर क्यों बैठता है? महात्मा गांधी ने उपवास क्यों किए थे? जब भी यह महसूस हुआ कि सरकार अन्याय के रास्ते पर चल रही है, तब विरोध होना स्वाभाविक था। विरोध के कई तरीके होते हैं और उपवास भी उनमें से एक है।

उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति आमरण अनशन पर बैठता है और अपनी जान तक दांव पर लगा देता है, तो सरकार का दायित्व बनता है कि वह कम से कम उससे बातचीत का रास्ता अपनाए। लोकतंत्र में संवाद ही किसी भी विवाद का सबसे प्रभावी समाधान होता है।

'योगी सरकार का बेटियों को ऐतिहासिक उपहार, जेवर में शिक्षा और सशक्तिकरण का नया अध्याय शुरू'

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। 'जिद अगर जीतने की हो, तो हर नामुमकिन कार्य भी मुमकिन बन जाता है। जब बेटियों के हाथ में कलम आती है, तभी समाज का भविष्य मुस्कुराता है।' उपरोक्त शब्द जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने आज दिनांक 16 जून 2026 को जेवर स्थित नवनिर्मित राजकीय महिला डिग्री कॉलेज के शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित छात्राओं, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहे। जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि 'आज का दिन महाविद्यालय के उद्घाटन का नहीं, बल्कि जेवर क्षेत्र की बेटियों के सपनों को नई उड़ान देने वाले एक ऐतिहासिक अध्याय का शुभारंभ है। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के उस दूरदर्शी विजन का परिणाम है, जिसमें प्रत्येक बेटी को उसके घर के निकट और सुलभ उच्च शिक्षा उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर, शिक्षित और सशक्त बनाने का संकल्प निहित है। मुख्यमंत्री जी का मानना है कि जब बेटियाँ शिक्षित होंगी, तभी उत्तर प्रदेश और भारत का भविष्य अधिक समृद्ध, सक्षम और आत्मविश्वासी बनेगा।' दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि 'वर्षों से जेवर क्षेत्र की बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज जाना पड़ता था, जिससे बहुतायत में लड़कियां कठिन परिस्थितियों के कारण आगे नहीं बढ़ पाती थीं। आज राजकीय महिला डिग्री कॉलेज के शुभारंभ के साथ यह बाधा समाप्त हो गई है। महाविद्यालय में आज से छात्राओं के पंजीकरण की प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है तथा यह चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से संबद्ध रहेगा।' जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि 'माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में शिक्षा, महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। जेवर का यह राजकीय महिला डिग्री कॉलेज भी उसी विकासवादी सोच और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना का सशक्त उदाहरण है।'

विधायक धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि 'वर्तमान सत्र में महाविद्यालय में बी.ए. पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिंदी, अंग्रेजी, शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास, संस्कृत, अर्थशास्त्र एवं गृहविज्ञान विषयों की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह महाविद्यालय वर्ष 2019 में भारत सरकार की प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम योजना के अंतर्गत स्वीकृत हुआ था तथा तत्कालीन उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा के करकमलों द्वारा इसका शिलान्यास किया गया था।' जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने छात्राओं से कहा कि 'यह महाविद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि सपनों को साकार करने का मंच है। पूरे समर्पण, अनुशासन और परिश्रम के साथ शिक्षा ग्रहण करें तथा अपने परिवार, क्षेत्र, प्रदेश और राष्ट्र का नाम गौरवान्वित करें।' अंत में विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि 'जब सरकार का विजन, समाज का विश्वास और बेटियों का संकल्प एक साथ जुड़ता है, तब विकास का नया इतिहास लिखा जाता है। जेवर का यह राजकीय महिला डिग्री कॉलेज उसी नए इतिहास का सशक्त प्रतीक है।'

संपादक की कलम से

मंदिरों में भ्रष्टाचार: वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

ललित शर्मा
संपादक

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है। मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है-वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में 'समान मन्दिर दर्शन नीति' लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

मानवता के विरुद्ध मानव; इतिहास के सबसे बड़े संकट की दस्तक

एन0के0शर्मा
लेखक

सभ्यता का इतिहास केवल उपलब्धियों का इतिहास नहीं है, बल्कि आत्मविनाश की संभावनाओं का भी इतिहास है। मनुष्य ने अपनी बुद्धि, विज्ञान और तकनीक के बल पर पृथ्वी की सीमाओं को लांघकर अंतरिक्ष तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, परमाणु के सूक्ष्मतम रहस्यों को समझा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी अभूतपूर्व प्रणालियों का निर्माण किया और जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से जीवन के मूलभूत तंत्रों में हस्तक्षेप करने की क्षमता प्राप्त कर ली। किंतु यही प्रश्न आज वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है कि क्या मनुष्य अपनी बुद्धिमत्ता का उपयोग मानवता के संरक्षण के लिए कर रहा है, या वह स्वयं मानवता के विरुद्ध सबसे बड़ा खतरा बनता जा रहा है?

मानव सभ्यता आज ऐसे युग में प्रवेश कर चुकी है जहाँ बाहरी शत्रु से अधिक भयावह संकट भीतर से उत्पन्न हो रहा है। इतिहास में महामारी, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएँ और आर्थिक महामंदियाँ आईं, परंतु आज का संकट उनसे भिन्न है। यह संकट किसी एक राष्ट्र, विचारधारा या भूभाग तक सीमित नहीं है। यह संकट स्वयं मनुष्य की महत्वाकांक्षाओं, अनियंत्रित तकनीकी विस्तार, संसाधनों की अंधाधुंध लूट, पर्यावरणीय असंतुलन, जैविक हस्तक्षेप, डिजिटल नियंत्रण और नैतिक पतन के सम्मिलित परिणाम के रूप में सामने खड़ा है। वैज्ञानिक समुदाय वर्षों से चेतावनी देता रहा है कि पृथ्वी एक जटिल और परस्पर जुड़ी हुई प्रणाली है। जलवायु, जैव विविधता, महासागर, वन, मिट्टी, जल और वायुमंडल-इन सभी का संतुलन जीवन का आधार है। किंतु औद्योगिक क्रांति के बाद से मानव गतिविधियों ने इस संतुलन को अभूतपूर्व रूप से प्रभावित किया है। वैश्विक तापमान में वृद्धि, हिमनदों का तीव्र पिघलना, समुद्र स्तर का बढ़ना, चरम मौसमी घटनाओं की बढ़ती आवृत्ति और जैव विविधता का तीव्र क्षरण केवल पर्यावरणीय घटनाएँ नहीं हैं; ये मानव सभ्यता की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए गंभीर संकेत हैं।

इसी प्रकार जैव प्रौद्योगिकी ने चिकित्सा विज्ञान में क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, परंतु जीन संपादन, सिंथेटिक बायोलॉजी और प्रयोगशाला आधारित जैव अनुसंधानों के साथ जैव सुरक्षा और जैव नैतिकता के प्रश्न भी पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं। विज्ञान स्वयं समस्या नहीं है; समस्या तब उत्पन्न होती है जब वैज्ञानिक उपलब्धियों का उपयोग नैतिक नियंत्रण से मुक्त होकर केवल सामरिक, आर्थिक या राजनीतिक हितों के लिए किया जाता है। इतिहास बताता है कि प्रत्येक महान खोज मानव कल्याण का माध्यम भी बन सकती है और विनाश का उपकरण भी।

इक्कीसवीं सदी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने मानव क्षमता का विस्तार किया है, परंतु इसके साथ अनेक जटिल प्रश्न भी जन्मे हैं। यदि निर्णय लेने की शक्ति धीरे-धीरे एल्गोरिद्म के हाथों में चली जाए, यदि सूचना का नियंत्रण कुछ सीमित संस्थाओं तक सिमट जाए, यदि डीपफेक, स्वचालित दुष्प्रचार और निगरानी प्रणालियाँ लोकतांत्रिक संस्थाओं से अधिक प्रभावशाली बन जाएँ, तो मानव स्वतंत्रता का स्वरूप बदल सकता है। तकनीक जितनी शक्तिशाली होती जाती है, उसके दुरुपयोग की संभावनाएँ भी उतनी ही व्यापक होती जाती हैं। इसलिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास के साथ पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों का समावेश अनिवार्य है।

संसाधनों के लिए वैश्विक प्रतिस्पर्धा भी मानवता के सामने गहरा संकट प्रस्तुत कर रही है। जल, ऊर्जा, दुर्लभ खनिज और खाद्य सुरक्षा भविष्य के संघर्षों का आधार बन सकते हैं। अनेक अध्ययन संकेत देते हैं कि जल संकट, मरुस्थलीकरण और कृषि उत्पादकता में गिरावट सामाजिक अस्थिरता, विस्थापन और संघर्षों को बढ़ा सकती है। जब प्राकृतिक संसाधनों का वितरण असमान होता है और उनका दोहन अनियंत्रित रूप से होता है, तब केवल पर्यावरण ही नहीं, सामाजिक न्याय भी प्रभावित होता है।

मानव स्वास्थ्य का संकट भी केवल चिकित्सा का विषय नहीं रह गया है। वायु प्रदूषण, रासायनिक प्रदूषक, माइक्रोप्लास्टिक, अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, मानसिक तनाव, डिजिटल निर्भरता और निष्क्रिय जीवनशैली मिलकर नई प्रकार की सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियाँ उत्पन्न कर रहे हैं। वैज्ञानिक शोध लगातार यह संकेत दे रहे हैं कि पर्यावरण और स्वास्थ्य का संबंध अत्यंत गहरा है। प्रदूषित पर्यावरण अंततः मानव शरीर और समाज दोनों को कमजोर करता है। इतिहास यह भी सिखाता है कि सभ्यताओं का पतन प्रायः बाहरी आक्रमणों से कम और आंतरिक विघटन से अधिक हुआ है। जब नैतिकता कमजोर पड़ती है, जब सत्य की जगह प्रचार ले लेता है, जब शिक्षा का उद्देश्य केवल प्रतिस्पर्धा रह जाता है और चरित्र निर्माण गौण हो जाता है, तब समाज अपनी आत्मरक्षा की क्षमता खोने लगता है। ज्ञान यदि विवेक से पृथक हो जाए, तो वही ज्ञान विनाशकारी बन सकता है। डिजिटल युग में सूचना स्वयं शक्ति का स्रोत बन चुकी है। झूठी सूचनाएँ, मनोवैज्ञानिक प्रभाव अभियानों, साइबर अपराधों और डिजिटल ध्रुवीकरण ने सामाजिक विश्वास को चुनौती दी है। लोकतंत्र का आधार सूचित नागरिक होता है, किंतु यदि सूचना का प्रवाह पक्षपातपूर्ण, कृत्रिम या नियंत्रित हो जाए, तो सामाजिक निर्णय भी प्रभावित होते हैं। इसलिए डिजिटल साक्षरता अब केवल तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक सुरक्षा का आधार बन चुकी है।

एक अन्य गंभीर प्रश्न आर्थिक असमानता का है। विज्ञान और तकनीक से उत्पन्न समृद्धि का लाभ यदि सीमित वर्ग तक सीमित रह जाए, जबकि विशाल जनसंख्या संसाधनों, शिक्षा, स्वास्थ्य और अवसरों से वंचित रहे, तो सामाजिक तनाव स्वाभाविक रूप से बढ़ेंगे। असमानता केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक स्थिरता और सामाजिक शांति की भी चुनौती है। मानवता के विरुद्ध सबसे बड़ा अपराध तब होता है जब मनुष्य दूसरे मनुष्य को केवल साधन मानने लगता है। इतिहास में दास प्रथा, नरसंहार, नस्लीय भेदभाव और युद्ध इसी मानसिकता के परिणाम थे। आज यह मानसिकता नए रूपों में प्रकट हो सकती है-डिजिटल शोषण, मानव तस्करी, साइबर अपराध, जैविक हथियारों की आशंका, पर्यावरणीय अन्याय और संसाधनों के असमान नियंत्रण के रूप में। स्वरूप बदल सकता है, किंतु मूल प्रश्न वही रहता है-क्या मानव जीवन का सम्मान सर्वोच्च मूल्य बना रहेगा?

शिक्षा की भूमिका इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। केवल वैज्ञानिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है; उसके साथ नैतिक दर्शन, पर्यावरणीय चेतना, संवैधानिक मूल्यों, मानवीय अधिकारों और वैश्विक उत्तरदायित्व की समझ भी आवश्यक है। भविष्य की शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो जिज्ञासा के साथ करुणा, नवाचार के साथ उत्तरदायित्व और प्रगति के साथ संतुलन का संस्कार विकसित करे। यह भी सत्य है कि संकट जितना बड़ा होता है, समाधान की संभावना भी उतनी ही व्यापक होती है। नवीकरणीय ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, सतत कृषि, वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग, जल संरक्षण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक मानदंड, अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग और पर्यावरण संरक्षण की सामूहिक पहलें आशा की किरण प्रस्तुत करती हैं। अनेक देशों में कार्बन उत्सर्जन कम करने, जैव विविधता बचाने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के प्रयास इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। किंतु इन प्रयासों की सफलता तभी संभव है जब सरकारें, वैज्ञानिक संस्थान, उद्योग, मीडिया और नागरिक समाज साझा उत्तरदायित्व निभाएँ। मानवता के समक्ष आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि भविष्य में कौन-सी तकनीक विकसित होगी, बल्कि यह है कि उन तकनीकों का संचालन किन मूल्यों के आधार पर होगा। विज्ञान दिशा नहीं देता; दिशा मनुष्य की नैतिक चेतना देती है। यदि विवेक, उत्तरदायित्व और सह-अस्तित्व की भावना कमजोर पड़ती है, तो सबसे उन्नत सभ्यता भी अपने ही निमार्णों के बोझ तले ढह सकती है।

इतिहास की प्रत्येक निर्णायक घड़ी ने मनुष्य को आत्ममंथन का अवसर दिया है। आज भी वही क्षण हमारे सामने है। यदि मानव जाति ने विज्ञान को करुणा से, विकास को प्रकृति से, शक्ति को उत्तरदायित्व से और प्रगति को नैतिकता से जोड़ लिया, तो वर्तमान संकट मानव इतिहास के नवजागरण का आधार बन सकता है। किंतु यदि लालच, अहंकार, हिंसा, असमानता और असीमित उपभोग की प्रवृत्तियाँ इसी गति से बढ़ती रहीं, तो भविष्य की पीढ़ियाँ हमारे समय को उस युग के रूप में याद कर सकती हैं जब मनुष्य ने पहली बार अपने सबसे बड़े शत्रु के रूप में स्वयं को पहचानने में बहुत देर कर दी। इसलिए यह केवल एक चेतावनी नहीं, बल्कि समूची मानव सभ्यता के लिए अंतिम नैतिक आह्वान है। पृथ्वी को बचाना किसी एक देश, संस्था या वैज्ञानिक समुदाय का कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक मनुष्य का साझा दायित्व है। मानवता की रक्षा किसी भविष्य की परियोजना नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे अनिवार्य आवश्यकता है। यदि हमने अभी भी समय रहते विवेकपूर्ण, वैज्ञानिक और मानवीय निर्णय नहीं लिए, तो इतिहास का अगला अध्याय प्रगति का नहीं, बल्कि उस त्रासदी का दस्तावेज हो सकता है जिसमें मानव ने अपने ही अस्तित्व के विरुद्ध सबसे बड़ा अपराध किया।

फैशन डिजाइनिंग: कल्पना को अवसरों में बुनने की कला

डॉ विजय गर्ग
लेखक

आज के समय में फैशन डिजाइनिंग केवल आकर्षक कपड़े बनाने का नाम नहीं है, बल्कि यह रचनात्मकता, तकनीक और व्यवसाय का अद्भुत संगम बन चुका है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ कल्पनाएँ आकार लेती हैं, नए विचार परिधानों में ढलते हैं और सृजनात्मक सोच आर्थिक अवसरों में बदल जाती है। बदलती जीवनशैली, बढ़ती फैशन जागरूकता और डिजिटल युग के विस्तार ने फैशन डिजाइनिंग को युवाओं के लिए एक आकर्षक और संभावनाओं से भरपूर करियर बना दिया है।

फैशन डिजाइनर का कार्य केवल नए परिधान तैयार करना नहीं होता, बल्कि वह लोगों की आवश्यकताओं, संस्कृति, मौसम, आराम और व्यक्तित्व को ध्यान में रखते हुए ऐसे डिजाइन तैयार करता है जो उपयोगी होने के साथ-साथ सौंदर्यपूर्ण भी हों। एक सफल डिजाइनर के लिए कल्पनाशीलता, रंगों की समझ, सौंदर्यबोध और नवीन सोच जितनी आवश्यक है, उतनी ही तकनीकी जानकारी और व्यावसायिक समझ भी महत्वपूर्ण है।

आधुनिक तकनीक ने फैशन उद्योग को नई दिशा दी है। आज डिजाइनर कंप्यूटर आधारित डिजाइन (उअऊ), 3-डी मॉडलिंग, डिजिटल पैटर्न मेकिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) जैसे आधुनिक उपकरणों का उपयोग कर रहे हैं। अकउपभोक्ताओं की पसंद और भविष्य के फैशन रुझानों का विश्लेषण करने में मदद कर रही है, जबकि ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया ने छोटे डिजाइनरों को भी वैश्विक बाजार तक पहुँचने का अवसर प्रदान किया है।

फैशन डिजाइनिंग एक सशक्त व्यवसाय भी है। सफल डिजाइनरों को केवल सुंदर डिजाइन बनाना ही नहीं, बल्कि ब्रांड निर्माण, विपणन, मूल्य निर्धारण, उत्पादन प्रबंधन और ग्राहक व्यवहार की समझ भी होनी चाहिए। यही कारण है कि अनेक युवा आज अपना स्वयं का फैशन लेबल स्थापित कर सफल उद्यमी बन रहे हैं।

वर्तमान समय में टिकाऊ (सस्टेनेबल) फैशन की आवश्यकता तेजी से बढ़ रही है। पर्यावरण-अनुकूल कपड़ों का उपयोग, पुनर्चक्रित (रीसाइकिल) सामग्री से उत्पाद बनाना, कपड़ा अपशिष्ट कम करना तथा नैतिक उत्पादन प्रक्रियाओं को अपनाना आधुनिक फैशन उद्योग की पहचान बनते जा रहे हैं। भविष्य का फैशन केवल सुंदर दिखने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रकृति और समाज के प्रति जिम्मेदारी भी निभाएगा।

भारत का फैशन उद्योग अपनी समृद्ध वस्त्र परंपरा, हस्तशिल्प और कारीगरी के कारण विश्वभर में विशेष पहचान रखता है। बनारसी सिल्क, खादी, फुलकारी, चिकनकारी, कांजीवरम, बंधनी और ब्लॉक प्रिंट जैसी पारंपरिक कलाओं को आधुनिक डिजाइनों के साथ प्रस्तुत कर भारतीय डिजाइनर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। यह परंपरा और आधुनिकता का सुंदर मेल है।

फैशन डिजाइनिंग में करियर के अनेक विकल्प उपलब्ध हैं। विद्यार्थी फैशन डिजाइनर, टेक्सटाइल डिजाइनर, कॉस्ट्यूम डिजाइनर, फैशन स्टाइलिस्ट, फैशन इलस्ट्रेटर, विजुअल मर्चेंडाइजर, फैशन फोटोग्राफर, फैशन पत्रकार, ब्रांड सलाहकार या फैशन उद्यमी के रूप में अपना भविष्य बना सकते हैं। इस क्षेत्र में सफलता के लिए रचनात्मक सोच, मेहनत, अनुशासन, निरंतर सीखने की इच्छा और बदलते फैशन रुझानों के प्रति सजग रहना आवश्यक है।

फैशन केवल पहनावे तक सीमित नहीं है; यह व्यक्ति की पहचान, आत्मविश्वास और संस्कृति की अभिव्यक्ति भी है। एक अच्छा डिजाइनर लोगों के जीवन में रंग, सुविधा और आत्मविश्वास जोड़ता है। यही कारण है कि फैशन डिजाइनिंग आज कला, विज्ञान और व्यवसाय का सफल संगम बन चुकी है।

यदि किसी युवा में कल्पनाशीलता, नवाचार की सोच और कुछ नया करने का उत्साह है, तो फैशन डिजाइनिंग उसके लिए एक उत्कृष्ट करियर विकल्प हो सकता है। यह ऐसा क्षेत्र है जहाँ प्रतिभा को पहचान मिलती है, रचनात्मकता को सम्मान मिलता है और सपनों को सफलता में बदलने के अनगिनत अवसर प्राप्त होते हैं। वास्तव में, फैशन डिजाइनिंग कल्पना को अवसरों में बुनने की कला है, जो व्यक्तित्व को पहचान और भविष्य को नई दिशा देती है।

भावना की धार

उदय किशोर साह

कविता

मन की ख्वाबों की अभिव्यक्ति जब
भावना की सरिता में बहती बन धार
उकेर देता है कोरे कागज पे निर्झर
बना कर घरौंदो को बन एक चित्रकार

कभी विम्ब बनी नदिया वन उपवन
कभी विम्ब में सावन की गिरते फुहार
भीग जाता है तन मन की नाजुक दर्पण
जब झूम कर आती है सावन की बहार

कभी छत के मुड़ेर पे बैठकर हम
चन्दा से कर लेते हैं एकतरफा प्यार
शब्दों उपमाओं की जयमाल पिरोकर
गले में डाल उनको करते हैं सोलह श्रृंगार

कभी सागर की लहरों के साथ हम डोले
कभी साहिल की रेत पे बैठ करते निहार
कभी रवि की लाली से संवाद में हम
लिख देते हैं रंगीन मौसम की बयार

कभी आलोचना दिल में चुभ दर्द दे जाती
कभी सराहना की होती है दोस्तों में झंकार
कभी गम व कभी खुशी की वो पल। पल
शुकुन देती है दिल को मेरे सच्चे यार

भूख और बबार्दी के बीच का भारत : थाली में सिमटा हमारा नैतिक पतन

प्रो. आरके जैन
लेखक

किसी भी भारतीय विवाह, पारिवारिक उत्सव या सामाजिक समारोह की सफलता का पैमाना आज भी व्यंजनों की विविधता और मेजबान की उदारता है। जितनी लंबी व्यंजन सूची, उतनी बड़ी प्रतिष्ठा; जितनी भरी थालियां, उतना अधिक सम्मान। पर इस चमक के पीछे एक खामोश सच है-कूड़ेदान में समाता अन्न। यह केवल बचा भोजन नहीं, बल्कि किसान का पसीना, प्रकृति के संसाधन, श्रमिक का श्रम और राष्ट्र की पूंजी का अपव्यय है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की 'खाद्य अपव्यय सूचकांक रिपोर्ट' के अनुसार भारत में हर वर्ष लगभग 68-78 मिलियन टन खाद्य पदार्थ घरेलू स्तर पर बर्बाद होते हैं, जबकि विवाह समारोहों में 10 से 20 प्रतिशत भोजन बिना स्वाद चखे ही फेंक दिया जाता है। यह केवल सामाजिक व्यवहार नहीं, आर्थिक, पर्यावरणीय और नैतिक संकट है। जिस देश में आज भी लाखों लोग भरपेट भोजन से वंचित हों, वहां अन्न का यह अपमान हमारी सामूहिक चेतना पर सबसे बड़ा प्रश्नचिह्न है।

इस समस्या की जड़ हमारी सामाजिक मानसिकता में है। विवाहों में आवश्यकता से अधिक भोजन बनाना और 'ज्यादा से ज्यादा परोसना' आज भी प्रतिष्ठा का प्रतीक है। मेजबान को भोजन कम पड़ने का भय रहता है, जबकि अतिथि संकोच या लालच में जरूरत से अधिक थाली भर लेते हैं। नतीजतन बड़ी मात्रा में भोजन कूड़ेदान में पहुंच जाता है। होटल और रेस्तरां का बुफे सिस्टम इस अपव्यय को और बढ़ाता है, जहां स्वाद की चाह भूख पर भारी पड़ती है। घरों में भी व्यस्त जीवनशैली, सही अनुमान की कमी और 'बचत' के बजाय 'नया खरीदो' की मानसिकता ने रसोई को अपव्यय का केंद्र बना दिया है। फल-सब्जियां सड़ जाती हैं, बचा भोजन फ्रिज में पड़ा रहकर अंततः कूड़े में चला जाता है। उपभोग की संस्कृति ने विवेक को पीछे धकेल दिया है; भोजन अब आवश्यकता नहीं, प्रदर्शन का माध्यम बन चुका है।

भोजन की बबार्दी केवल थाली तक सीमित नहीं, इसका सबसे गहरा प्रहार पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर होता है। अनुपयोगी भोजन कचरा भराव स्थलों में सड़कर मीथेन गैस छोड़ता है, जो भूमंडलीय तापवृद्धि की प्रमुख वजह है। वैश्विक स्तर पर खाद्य अपव्यय कुल हरितगृह गैस उत्सर्जन का 8 से 10 प्रतिशत हिस्सा है, जो विमानन उद्योग से भी अधिक है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में यह केवल अन्न नहीं, बल्कि पानी, बिजली, डीजल, उर्वरक, परिवहन, भंडारण और किसानों के श्रम का भी अपव्यय है। अनुमान है कि इससे भारत को हर वर्ष डेढ़ लाख करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक नुकसान होता है। इतनी राशि से हजारों विद्यालय, अस्पताल, सिंचाई और पोषण योजनाएं साकार हो सकती हैं। सच यह है कि हम भोजन नहीं, अपने भविष्य की संभावनाएं कूड़ेदान में फेंक रहे हैं।

विडंबना यह है कि यह संकट तकनीक का नहीं, मूल्यों के क्षरण का परिणाम है। जिस समाज ने अन्नपूर्णा को देवी माना, वहीं अन्न का अपमान सामान्य होता जा रहा है। एक ओर करोड़ों लोग दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, दूसरी ओर दावतों का भोजन कूड़ेदान में पहुंच रहा है। यह केवल आर्थिक असमानता नहीं, सामाजिक संवेदनहीनता का भी प्रमाण है। विकसित देशों में 'डॉग्गी बैग' जिम्मेदार नागरिकता का प्रतीक है, जबकि भारत में इसे आज भी संकोच से देखा जाता है। अनेक होटलों का बचा भोजन सुरक्षित व्यवस्था से जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा सकता है। घरों में सही मात्रा में भोजन पकाना, बचे भोजन का पुनः उपयोग, बेहतर शीतक प्रबंधन और पहले से उपलब्ध सामग्री का उपयोग अपव्यय को काफी घटा सकता है। आखिर, संस्कारों की पहचान पूजा से नहीं, अन्न के सम्मान से होती है।

समस्या जितनी व्यापक है, समाधान भी उतने ही व्यावहारिक हैं। कई होटल और भोजन-व्यवस्थापक अब 'शून्य अपव्यय विवाह पैकेज' अपना रहे हैं, जिनमें अतिथियों की संख्या के अनुसार भोजन का वैज्ञानिक आकलन होता है। अनेक स्वयंसेवी संस्थाएं विवाह और होटलों का बचा सुरक्षित भोजन जरूरतमंदों तक पहुंचा रही हैं। यह केवल सेवा नहीं, संसाधनों के सम्मान की संस्कृति है। सरकार को बड़े आयोजनों में खाद्य अपव्यय रोकने के लिए जनजागरूकता, प्रभावी नियम और कर प्रोत्साहन जैसे कदम उठाने होंगे। विद्यालयों और महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम में खाद्य अपव्यय, पोषण और संसाधन संरक्षण को शामिल करना समय की मांग है, ताकि नई पीढ़ी इसे व्यवहार में उतारे। जब समाज इसे आदत नहीं, राष्ट्रीय दायित्व मानेगा, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।

आज प्रौद्योगिकी भी इस चुनौती का प्रभावी समाधान बन सकती है। स्मार्ट फ्रिज भोजन की उपयोग अवधि बताकर बबार्दी रोक सकते हैं, जबकि मोबाइल ऐप्स से बचा भोजन तुरंत डोनेशन नेटवर्क तक पहुंचाया जा सकता है। बिग डेटा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता विवाह, होटल और बड़े आयोजनों के लिए आवश्यकता के अनुरूप भोजन का सटीक आकलन संभव बना रहे हैं। नगर निकाय, होटल उद्योग, खाद्य कंपनियां और स्वयंसेवी संस्थाएं मिलकर खाद्य अपव्यय को काफी घटा सकती हैं। कई देशों ने ऐसे उपायों से सफलता पाई है। भारत के पास तकनीक के साथ संस्कारों की पूंजी भी है; आवश्यकता केवल दोनों के समन्वय की है। अन्न को संसाधन नहीं, संस्कार मानते ही समाधान व्यवहार बन जाएगा।

समाधान की शुरूआत किसी कानून से नहीं, हमारी थाली से होगी। हर परिवार, हर मेहमान और हर होटल मालिक को समझना होगा कि एक दाना भी बर्बाद करना राष्ट्र की संपत्ति को लुटाना है। जब तक 'ज्यादा परोसो' की संस्कृति 'जितना जरूरी, उतना ही' में नहीं बदलेगी, विकास के दावे अधूरे रहेंगे।

खाद्य अपव्यय रोकना केवल पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि आर्थिक विवेक, सामाजिक उत्तरदायित्व और भारतीय सभ्यता की पुनर्परिभाषा का संकल्प है। अन्न का सम्मान होगा, तो भूख घटेगी, प्रदूषण कम होगा, संसाधन बचेंगे और विकास अधिक मानवीय बनेगा। किसी राष्ट्र की समृद्धि थालियों की भव्यता से नहीं, उनमें परोसे हर दाने के सम्मान से मापी जाती है; भारत को अब यही कसौटी अपनानी होगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

जल संरक्षण को अपनी आदत बनाएं: महापौर

महापौर व नगरायुक्त ने पौधारोपण कर व जगरुकता वाहन को हरी झण्डी दिखाकर की भूगर्भ जल सप्ताह व जन जागरुकता कार्यक्रम की शुरूआत

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम व भूगर्भ जल विभाग सहारनपुर के सहयोग से आईटीसी मिशन सुनहरा कल उमंग सेवा समिति द्वारा भूगर्भ जल सप्ताह के अंतर्गत जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुभारंभ महापौर डॉ. अजय कुमार व नगरायुक्त शिपू गिरि ने निगम परिसर में पौधारोपण तथा जन जागरुकता वाहन को हरी झण्डी दिखाकर किया। भू गर्भ जल सप्ताह जन जागरुकता कार्यक्रम 22 जुलाई तक चलेगा।

महापौर डॉ. अजय कुमार ने पौधरोपण करते हुए जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं अधिकाधिक वृक्षारोपण को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि जल प्रकृति का अमूल्य उपहार और हमारे जीवन का आधार है।

उन्होंने गिरते भूजल स्तर को भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बताते हुए लोगों से जल संरक्षण को अपनी आदत बनाने, वर्षा जल संचयन को अपनाने, अनावश्यक जल की बबार्दी रोकने तथा अधिक से अधिक पेड़ लगाकर भूजल के पुनर्भरण में सहयोग देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि हम सभी का दायित्व है कि जल का विवेकपूर्ण उपयोग करें, चूंकि जल बचेगा तभी जीवन बचेगा। नगर निगम के शाकुम्भरी सभागार में एक कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। कार्यशाला में भूगर्भ जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, जल के विवेकपूर्ण उपयोग तथा गिरते भूगर्भ जल स्तर को रोकने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई।

नगरायुक्त शिपू गिरि ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि जल संरक्षण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने वर्षा जल संचयन को अपनाने, जल का अत्यधिक दोहन न करने और भूगर्भ जलस्तर को गिरने से बचाने में अपना सक्रिय देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारी जागरूकता ही आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की आधारशिला बनेगी।

विशेषज्ञों ने जल संरक्षण को केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित न रखकर जनभागीदारी का अभियान बनाने पर जोर दिया। भूगर्भ जल विभाग की अधिशासी अभियंता डॉ. नम्रता जायसवाल, कार्यक्रम समन्वयक प्रभाकर सिंह, आईटीसी मिशन सुनहरा कल के कार्यक्रम अधिकारी प्रकाश, आर सी पाण्डेय सहित उमंग सुनहरा कल के पदाधिकारी व वालंटियर तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में कर-करेतर एवं राजस्व वसूली बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद की कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में कर-करेतर एवं राजस्व वसूली की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि राजस्व वसूली की कम प्रगति में सुधार लाएं। उन्होंने कहा कि जिन विभागों का लक्ष्य के सापेक्ष वसूली राजस्व कम है उसमें सुधार कर प्रगति लाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए की लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत राजस्व वसूली का लक्ष्य प्राप्त करें। इस अवसर पर अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व संदीप कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक, सभी उप जिलाधिकारी,सभी पुलिस क्षेत्रअधिकारी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने की सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक

सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर खराब रैंक प्राप्त करने वाले विभागों को दिए निर्देश,जनपद की रैंक में लाए सुधार डीएम

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद की जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड की जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

जिलाधिकारी के द्वारा बैठक में सीएम डैश बोर्ड की समीक्षा मे जिन विभाग की प्रगति खराब रही उन पर नाराजगी जाहिर की। उन्होने प्रोजेक्ट वाइज समीक्षा के दौरान जिन विभागो की रैंक सी0 डी0 की श्रेणी में है उनको निर्देश दिए कि सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर फिडिंग का कार्य सही प्रकार से किया जाए जिससे जनपद की रैंक प्रभावित न हो।

आगामी समीक्षा बैठक से पूर्व जिन विभागों की खराब रैंक प्राप्त हुई है उसमें सुधार किया जाए। जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि शत प्रतिशत डाटा फीड करना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, उपजिलाधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, उप निदेशक कृषि, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग /विद्युत/ जल निगम / सिंचाई सहित अन्य संबंधी अधिकारी उपस्थित रहे।

कानून व्यवस्था को लेकर ऑल इंडिया हिन्दुस्तान कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधिमंडल मेरठ में एसपी यातायात से मिला

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़ मेरठ। वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ ऑल इंडिया हिन्दुस्तान कांग्रेस पार्टी, उत्तर प्रदेश के प्रदेशाध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मेरठ एसएसपी कार्यालय परिसर में एसपी यातायात राजेश कुमार श्रीवास्तव से शिष्टाचार मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की। प्रदेशाध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हत्या, लूट, दुष्कर्म, रंगदारी और भ्रष्टाचार जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उनका आरोप था कि अपराधियों के हौसले बुलंद हैं, जबकि पीड़ितों को न्याय मिलने के बजाय उनका ही उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की। इस दौरान प्रदेश कोषाध्यक्ष आशीष शर्मा, प्रदेश सचिव आरवेश शर्मा, कार्यालय प्रभारी सुनील शर्मा, मंडल अध्यक्ष (अल्पसंख्यक) आबिद सेफी, मेरठ जिलाध्यक्ष कुलदीप शर्मा, जिला सचिव नितिन निर्वाण, राजकुमार कुशवाहा, दिनेश प्रजापति, फैसल एडवोकेट सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई कृषि तकनीकी प्रबन्ध अभिकरण (आत्मा) की गवर्निंग बोर्ड बैठक सम्पन्न

जिले में मोटे अनाजों की खेती को बढ़ावा देने एवं किसानों को तकनीकी जानकारी देने पर दिया जाये जोर डीएम

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद की कलेक्ट्रेट सभागार, हापुड़ में कृषि तकनीकी प्रबन्ध अभिकरण (आत्मा) हापुड़ की गवर्निंग बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी कविता मीना ने बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए एस.एम.ए.ई. योजना के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं पर चर्चा एवं अनुमोदन किया गया।

उन्होंने जनपद में मोटे अनाजों की खेती को बढ़ावा देने एवं किसानों को तकनीकी जानकारी देने पर जोर देने हेतु संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया।

पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु दलहन-तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लक्ष्य निर्धारित किए गए। किसानों को उन्नत बीज, प्रशिक्षण एवं प्रदर्शनी के माध्यम से दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने पर चर्चा की गई। आत्मा योजना के तहत किसानों के क्षमता निर्माण, भ्रमण एवं प्रदर्शनी कार्यक्रमों को समयबद्ध तरीके से कराने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि कृषि विभाग के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के किसान तक पहुंचे। लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित की जाए। किसानों को नई तकनीक, बीज एवं बाजार की जानकारी देकर उनकी आय दोगुनी करने में सहयोग किया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक, उप निदेशक कृषि सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हापुड़ में धूमधाम से मनाया गया 17वा सीएससी दिवस

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में 17वां सीएससी (CSC) दिवस बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर डिजिटल इंडिया और ग्रामीण सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले वीएलई (VLE) को सम्मानित किया गया, जबकि जिला स्तर पर कई जागरूकता शिविर और पौधरोपण अभियान आयोजित हुए। जिला हापुड़ के 300 से अधिक कॉमन सर्विस सेंटर्स पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जनपद के सक्रिय ग्राम स्तरीय उद्यमियों (VLE) ने ग्रामीणों को सरकार की डिजिटल और ई-गवर्नेंस सेवाओं (जैसे आयुष्मान भारत, पीएम किसान, और बैंकिंग सेवाएं) के बारे में जानकारी दी केंद्र संचालकों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों को एक मंच पर लाकर, सीएससी द्वारा दी जाने वाली 32 से अधिक केंद्रीय सेवाओं की उपलब्धता पर चर्चा की

जिला प्रबंधक सीएससी श्री उदयेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि सीएससी इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की डिजिटल इंडिया पहल का एक प्रमुख हिस्सा हैं जो देश के शहरी क्षेत्रों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों को बैंकिंग, टेलीमेडिसिन, पैन कार्ड, और आधार से जुड़ी सेवाएं सीधे उनके घर के पास उपलब्ध कराते है आज सीएससी ग्रामीण सशक्तिकरण का मुख्य आधार बन गया हैं।

मीडिया कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर दो दिन के लिए धारण किया स्थगित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बिजनौर। जनपद बिजनौर धरनास्थल पर पत्रकारों से वार्ता करने के लिए पुलिस क्षेत्राधिकारी आकांक्षा गौतम एवं उपनिरीक्षक अमर सिंह राठौर पहुंचे। इस दौरान पत्रकारों के साथ विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत वार्ता हुई। पत्रकारों ने अपनी मांगों को स्पष्ट रूप से उनके समक्ष रखा तथा निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की।

नजीबाबाद : मीडिया कर्मी मुस्तकीम अहमद व उनके परिवार के विरुद्ध मंडावली थाना प्रभारी राकेश कुमार द्वारा लिखे गए झूठे मुकदमे के विरोध में आज नजीबाबाद तहसील में मीडिया कर्मियों ने अनिश्चितकालीन धरना दिया। जिसमें भारतीय किसान यूनियन भानू, भारतीय किसान यूनियन प्रधान,

भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत,भारतीय किसान यूनियन सेवा, भारतीय किसान यूनियन प्रगति, भारतीय किसान यूनियन प्रधान, भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत आदि सामाजिक संगठनों ने मीडिया कर्मियों के धरने को अपना पूर्ण समर्थन दिया। इस मौके पर मीडिया कर्मियों ने मंडावली थाना अध्यक्ष राकेश कुमार के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच कराने एवं उनकी बर्खास्तगी की मांग की।

वहीं पीड़ित पत्रकार मुस्तकीम अहमद के खिलाफ दर्ज मुकदमे को रद्द करने, मुस्तकीम अहमद की ओर से मुकदमा दर्ज करने, मंडावली थाना अध्यक्ष राकेश कुमार की संपत्ति की जांच कर उसे सार्वजनिक करने तथा 17 जुलाई को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर उन्हें पूरे प्रकरण से अवगत कराने के प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। इस अवसर पर मीडिया कर्मियों ने दो टूक कहा कि जब तक मंडावली थाना अध्यक्ष का निलंबन नहीं हो जाता, तब तक पत्रकारों का अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। धरने में तय किया गया कि जब तक हमारे पत्रकार साथी मुस्तकीम अहमद के खिलाफ दर्ज मुकदमे को वापस नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। मीडिया कर्मियों ने आरोप लगाया कि मंडावली थाना प्रभारी राकेश कुमार उत्तर प्रदेश सरकार की छवि खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। धरने की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र जैन व संचालन नईम सिद्दीकी ने किया।

धरने में इरफान अनसारी, अभ्देश शर्मा, शहजाद नौमानी, सोनू आदित्य विपिन ठाकुर, बब्बन जैदी, डॉक्टर मुशाहिद, नईम सिद्दीकी, जितेंद्र जैन, मोहम्मद साकिब जैदी, अदनान, मुशर्रफ अली, राकेश कुमार वर्मा, सरफराज अहमद, मोहम्मद इकराम, अंकुर कुमार, इशियाक अहमद, वसीम बारी, शेर खान, शाकिर अली, अवधेश शर्मा, अफजाल अंसारी, रामोद कुमार, गुलजार अहमद एडवोकेट, राज शर्मा, नासिर मंसूरी, इकबाल कुरैशी, नरेश प्रधान (भाकियू भानू), रवि प्रजापति, रणवीर सिंह निराला, सूरज कुमार, जीशान नजीबाबादी, अफजाल अंसारी, कामिल अंसारी, महमूद रजा, शुहेल अहमद आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर्स एसोसिएशन के पूर्व मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष मोहम्मद अकरम उस्मानी. व सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं किसान यूनियन के कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

सीओ विश्वज्योति से भाकियू एकता शक्ति प्रतिनिधिमंडल की शिष्टाचार भेंट, कानून-व्यवस्था पर हुई चर्चा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

मेरठ। वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एडवोकेट अक्षित शर्मा के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को मेरठ सिविल क्षेत्र के सीओ विश्वज्योति से शिष्टाचार भेंट की।प्रतिनिधिमंडल में युवा राष्ट्रीय महासचिव नितिन पंडित, मेरठ जिलाध्यक्ष नितीश भारद्वाज, उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आबिद खान, मेरठ महानगर अध्यक्ष हर्षित ठाकुर तथा नोएडा महानगर अध्यक्ष सतीश शर्मा शामिल रहे इस दौरान संगठन की ओर से सीओ विश्वज्योति को संगठन का सम्मान-प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, जनसुरक्षा तथा आम नागरिकों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही संगठन ने कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन को हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। भाकियू एकता शक्ति के पदाधिकारियों ने कहा कि पुलिस प्रशासन और समाज के बीच बेहतर समन्वय से क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं सौहार्द का वातावरण और अधिक मजबूत होगा। वहीं सीओ विश्वज्योति ने भी संगठन के प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए जनहित से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक सहयोग का भरोसा दिलाया।

राधे श्याम डेयरी पर खाद्य विभाग का छापा, पनीर व मिश्रित दूध समेत कई नमूने जांच के लिए भेजे गए

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ जनपद में आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उ०प्र० लखनऊ के आदेश एव जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में आज चन्द्र शेखर मिश्र सहायक आयुक्त (खाद्य) हापुड़ के नेतृत्व में गठित सचल दल जिसमे, पंकज कुमार मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी, सोवेन्द्र सिंह पंघाल, विपिन कुमार सिंह,आर.पी. गुप्ता, सुश्री सहरिश सादात,मोहित कुमार खाद्य सुरक्षा अधिकारी सम्मिलित रहे द्वारा जनपद हापुड में की गयी कार्यवाही का विवरण निम्नानुसार है ग्राम सदरपुर तहसील गढ़मुक्तेश्वर हापुड़ जिले स्थित राधे श्याम डेयरी पर औचक छापा मारकर पनीर का एक नमूना, मिश्रित दूध के दो नमूने, क्रीम का एक नमूना, खोया का एक नमूना कुल 05 नमूने संग्रहित किये गये है।एव अस्वच्छकर परिस्थितियो मे भण्डारित मिल्क क्रीम लगभग 50 किग्रा अनुमानित कीमत रुपए 16000/- एव 150 किग्रा पनीर अनुमानित कीमत रुपए 45000/- रुपए नष्ट कराया गया है। साथ ही प्रतिष्ठान मे पायी गयी कमियो को दूर करने के लिए सूधार सूचना नोटिस जारी किया जा रहा है। उपरोक्त समस्त नमूनो की वास्ते जाँच खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला प्रेषित किया जा रहा है। जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी साथ ही उक्त अभियान निरन्तर चलता रहेगा।

भारतीय किसान यूनियन भानु के जिलाममिडिया प्रभारी बने सरफराज अहमद पत्रकार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बिजनौर। भारतीय किसान यूनियन भानु के जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में पत्रकार सरफराज अहमद को जिलामीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया, इस मौके पर उन्होंने जिले की कमान सरफराज अहमद पत्रकार को सौंप कर उन्हें मुबारकबाद दी। वहीं सरफराज अहमद ने कहा कि वह अपने पद की गरिमा में रह कर संगठन के दायित्व को पूर्णतः निभाएंगे, और किसानों और गरीब मजलूमों के हक की आवाज को मीडिया के माध्यम से शासन प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। इस मौके पर संगठन के सभी पदाधिकारी कार्यकताओं ने जिला मीडिया प्रभारी बनने पर सरफराज अहमद को मुबारकबाद दी।

बछलौता फ्लाईओवर हादसा: चार लोगों की मौत के मामले में फरार ट्रक चालक गिरफ्तार, हादसे में प्रयुक्त ट्रक बरामद

वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। थाना बाबूगढ़ पुलिस ने बछलौता फ्लाईओवर के पास दो दिन पूर्व हुए भीषण सड़क हादसे में फरार चल रहे ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की निशानदेही पर दुर्घटना में प्रयुक्त ट्रक भी बरामद कर लिया गया।इस दर्दनाक हादसे में बाइक सवार व्यक्ति और उसके तीन बच्चों की मौत हो गई थी।

पुलिस के अनुसार, जनपद में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बाबूगढ़ पुलिस ने मुकदमा संख्या 220/2026 में धारा 281, 105 एवं 106(1) बीएनएस के तहत वांछित अभियुक्त फारूक पुत्र शमशाद, निवासी ग्राम मुड़ाली, थाना मुंडाली, जनपद मेरठ को सिमरौली काली नदी के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से हादसे में प्रयुक्त ट्रक (रजिस्ट्रेशन नंबर HR 55 AX 0977) भी बरामद कर लिया गया।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी बाबूगढ़ प्रवीण कुमार के नेतृत्व में एसएसआई नवीन कुमार गौतम, व उप निरीक्षक विनोद कुमार हेड कांस्टेबल सुधीर कुमार तथा कांस्टेबल यशपाल सिंह की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मौलाना जरजिश अंसारी के बयान पर संत समाज में आक्रोश, कार्रवाई की उठी मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद के बीच मौलाना जरजिश अंसारी का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नया विवाद खड़ा हो गया है। वायरल वीडियो को 23 जून को झारखंड में दी गई एक तकरीर का बताया जा रहा है।

वीडियो में मौलाना कथित तौर पर भगवान श्रीकृष्ण को मुसलमान बताते हुए यह दावा करते दिखाई दे रहे हैं कि श्रीकृष्ण नमाज पढ़ते थे और इस्लाम के दीन का प्रचार करते थे। साथ ही यह भी आरोप है कि उन्होंने भगवद्गीता के एक श्लोक की अपनी व्याख्या प्रस्तुत करते हुए इन दावों को सही ठहराने का प्रयास किया।

मौलाना के इस कथित बयान के सामने आने के बाद मथुरा वृन्दावन के प्रमुख कथा वाचकों ने और ब्राह्मण समाज ने तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। विश्व प्रसिद्ध कथावाचक मृदुल कांत शास्त्री ने इस बयान का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि इसका उचित और तथ्यात्मक जवाब दिया जाएगा।

वहीं, श्रीकृष्ण जन्मभूमि प्रकरण से जुड़े याचिकाकाताओं ने भी बयान की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे करोड़ों सनातन श्रद्धालुओं की धार्मिक

भावनाओं को आहत करने वाला बताया है। संतों का कहना है कि इस प्रकार के बयान सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करने और धार्मिक वैमनस्य पैदा करने वाले हैं। संत समाज ने सरकार से मौलाना जरजिश अंसारी के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

कुछ संतों ने यह भी कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए उन्हें देश से बाहर भेजा जाना चाहिए। उनका कहना है कि देश के आराध्य देवों और धार्मिक महापुरुषों के संबंध में इस प्रकार की विवादित टिप्पणियां किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हैं।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर मुक्ति आंदोलन से जुड़े अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने भी मौलाना के कथित बयान का कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि इस प्रकार के वक्तव्य समाज में तनाव उत्पन्न करने वाले हैं और ऐसे मामलों में कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। डॉ प्रिया दासी ने भी कड़े शब्दों में मौलाना के ब्यान का विरोध किया है

उधर, सोशल मीडिया पर भी यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि, वायरल वीडियो और उसमें किए गए दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। इस संबंध में अभी तक पुलिस या प्रशासन की ओर से किसी आधिकारिक कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है। विभिन्न पक्षों की प्रतिक्रियाओं के बीच यह मामला लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है।

सीएस ने लखवाड़ बहुउद्देशीय परियोजना निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्द्धन ने आज लखवाड़ बहुउद्देशीय परियोजना निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने परियोजना के अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर चल रहे निर्माण कार्यों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि लखवाड़ बहुउद्देशीय परियोजना राष्ट्रीय स्तर की महत्त्वपूर्ण परियोजना है। बहुत से राज्यों को इससे लाभ पहुंचेगा। उन्होंने एमडी, यूजेवीएनएल को वर्ष 2031 तक निर्माण कार्य पूर्ण किए जाने का लक्ष्य दिया। उन्होंने कहा कि कार्य समय पर पूर्ण किए जाने हेतु सभी संस्थाएं अगले 2-3 दिन में प्लान कर अवगत कराएं। उन्होंने इसके लिए आवश्यक मशीन और मैनपावर बढ़ाए जाने पर जोर दिया।

मुख्य सचिव ने कहा कि निर्माण कार्य समय पर पूरा करने हेतु पीईआरटी चार्ट तैयार कर उसका शतप्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। परियोजना को पूर्ण किए जाने के लिए गुणवत्ता और समयबद्धता को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि परियोजना से सम्बन्धित विशेषज्ञों द्वारा सभी अनिवार्य तकनीकी परीक्षण अनिवार्य रूप से कर लिए जाएं।

उन्होंने कहा कि यह सभी संस्थानों की जिम्मेदारी है कि परियोजना का कार्य समय पर हो। उन्होंने कार्यदायी संस्था एलएण्डटी और यूजेवीएनएल के अधिकारियों को मौके पर रह कर अपने स्तर से दैनिक, पाक्षिक और मासिक रूप से समीक्षा किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय जल आयोग द्वारा अपेक्षित सभी तकनीकी परीक्षण को शीघ्र से शीघ्र पूर्ण करा लिया जाए।

मुख्य सचिव ने अधिग्रहीत भूमि का मुआवजा वितरण कार्य शीघ्र पूर्ण करने और प्रभावित लोगों से लगातार संवाद कर मामलों का निस्तारण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव डॉ. आर. मीनाक्षी सुन्दरम, एमडी, यूजेवीएनएल श्री ए. के. सिंह, जीएम, एल एंडटी श्री प्रभु कुमार एवं पीएम श्री विष्णु मोहन श्रीवास्तव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

वृंदावन में गूंजे भगवान जगन्नाथ के जयकारे, निकाली भव्य रथयात्रा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/वृंदावन। भगवान श्रीकृष्ण की क्रीड़ास्थली वृंदावन में गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। पूरे नगर में 'जय जगन्नाथ' के जयकारों से भक्तिमय माहौल बन गया।

जगन्नाथ मंदिरों में सुबह से ही विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सायंकाल जगन्नाथ घाट स्थित मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों से भगवान जगन्नाथ, उनके भ्राता बलभद्र और बहन सुभद्रा की भव्य रथयात्राएं निकाली गईं। रथयात्राएं नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई ज्ञानगुदड़ी स्थित उद्धव ज्ञानस्थल पहुंचीं और वहां विश्राम के बाद अपने-अपने मंदिरों में संपन्न हुईं। जगन्नाथ घाट मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद भगवान

जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को अलग-अलग रथों में विराजमान कराया गया। सेवायतों ने विधिवत आरती उतारी और बैंड-बाजों व धार्मिक धुनों के बीच रथयात्रा का शुभारंभ किया। भगवान श्रीगणेश की आकर्षक झांकी और सजे-धजे रथ श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहे। रथ पर विराजमान सेवायत श्रद्धालुओं के बीच ठाकुरजी के प्रसाद स्वरूप आम सहित विभिन्न फलों का वितरण करते हुए चल रहे थे। हजारों श्रद्धालुओं ने रथ खींचकर स्वयं को धन्य महसूस किया। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी भक्ति संगीत पर झूमते हुए रथयात्रा में शामिल हुए और पूरे वृंदावन में भक्तिमय वातावरण छा गया।

जनसंवाद गोष्ठी में ग्रामीणों को यातायात नियमों और साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

मोहाना/सिद्धार्थनगर। थाना मोहाना पुलिस ने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार को कस्बा बर्डपुर में जनसंवाद एवं गोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को सुरक्षित यातायात, सड़क सुरक्षा और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। थानाध्यक्ष जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस टीम ने लोगों को यातायात नियमों का पालन करने, सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपाय अपनाने तथा शासन की सामाजिक सुरक्षा एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया। साथ ही साइबर अपराधों से सतर्क रहने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। ग्रामीणों ने पुलिस के इस जनसंपर्क एवं जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने की अपेक्षा जताई।

उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति, लोक मेले और हमारी आध्यात्मिक परंपराएं हमारी अमूल्य धरोहर हैं : धामी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरेला पर्व के अवसर पर श्री जागेश्वर धाम में विधिवत पूजा-अर्चना कर समस्त प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर श्री ज्योतिर्लिंग जागेश्वर धाम श्रावणी मेले का शुभारंभ किया तथा पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ पौधरोपण भी किया।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति, लोक मेले और हमारी आध्यात्मिक परंपराएं हमारी अमूल्य धरोहर हैं। श्रावणी मेला केवल आस्था का उत्सव नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोककला, लोकसंगीत एवं पारंपरिक जीवन मूल्यों को जीवंत बनाए रखने का सशक्त माध्यम भी है।

हमारी सरकार इन धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन और व्यापक प्रचार-

प्रसार के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत श्री जागेश्वर धाम का समग्र एवं सुव्यवस्थित विकास किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होने के साथ-साथ इस प्राचीन तीर्थ की दिव्यता, भव्यता और आध्यात्मिक गरिमा भी निरंतर सुदृढ़ हो रही है। साथ ही, यहां स्थापित किए जा रहे संस्कृत विद्यालय के माध्यम से देववाणी संस्कृत, भारतीय ज्ञान परंपरा और सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन को नई पीढ़ी तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का हमारा संकल्प भी साकार होगा।

इस अवसर पर माननीय कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, विधायक श्री मोहन सिंह माहरा, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री महेश नयाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एमवीडीए की बड़ी कार्रवाई, गोवर्धन में हरेकृष्णा रेजिडेंसी अवैध कॉलोनी सील

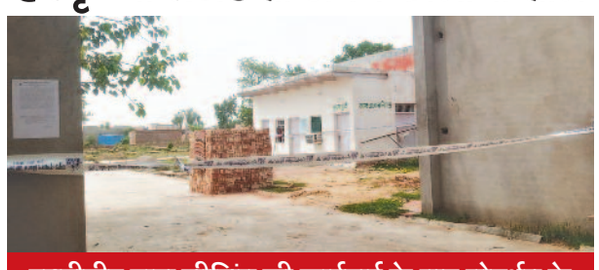

एमवीडीए द्वारा सीलिंग की कार्रवाई के बाद गोवर्धन के बड़ी परिक्रमा मार्ग स्थित हरेकृष्णा रेजिड़ेंसी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण ने गुरुवार को गोवर्धन क्षेत्र में बिना स्वीकृत मानचित्र के विकसित की जा रही एक अवैध कॉलोनी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। यह कार्रवाई जतीपुरा परिक्रमा मार्ग स्थित केला देवी मंदिर के पास विकसित की जा रही हरेकृष्णा रेजिडेंसी नामक कॉलोनी पर की गई है। प्राधिकरण के अनुसार, कॉलोनाइजर द्वारा एमवीडीए से आवश्यक स्वीकृति प्राप्त किए बिना कॉलोनी विकसित की जा रही थी। शिकायत मिलने पर अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जिसमें कॉलोनी का कोई स्वीकृत मानचित्र उपलब्ध नहीं पाया गया। इसके बाद नियमानुसार सीलिंग की कार्रवाई अमल में लाई गई। एमवीडीए गोवर्धन क्षेत्र के अवर अभियंता जेई अनिल सिंघल ने बताया कि शिकायत के आधार पर की गई जांच में कॉलोनी अनधिकृत पाई गई। नियमानुसार बिना स्वीकृत मानचित्र के कॉलोनी विकसित करना नियमों का उल्लंघन है, इसलिए प्राधिकरण ने सीलिंग की कार्रवाई की है।

उर्वरक वितरण में अनियमितता पर सख्ती, चार खाद विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी और अनियमित वितरण पर प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। जिलाधिकारी के निर्देश पर डुमरियागंज तहसील क्षेत्र में जांच के दौरान अनियमितताएं मिलने पर चार उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए। जिला कृषि विभाग ने इसे उर्वरक वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की कार्रवाई बताया है।

जिला कृषि अधिकारी रवि शंकर पांडेय ने बताया कि निरीक्षण के दौरान अलमहा खाद बीज भंडार, चकचई और सुभाष खाद भंडार, भवानीगंज के संचालक टीम को देखते ही दुकान बंद कर मौके से चले गए। इसके चलते दोनों दुकानों में उपलब्ध उर्वरकों का भौतिक सत्यापन नहीं किया जा सका।

मेसर्स अब्दुल्लाह खाद भंडार, भड़रिया और अब्दुल रहमान खाद

भंडार, हसीनाबाद के निरीक्षण में उर्वरक वितरण और स्टॉक रजिस्टर में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। जांच में रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक में अंतर पाया गया, जिसे उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन माना गया। गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए चारों उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए हैं।

जिला कृषि अधिकारी ने सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देश दिया है कि वे नियमों के अनुरूप खाद का वितरण करें और स्टॉक व बिक्री का रिकॉर्ड पूरी पारदर्शिता के साथ संधारित करें। उन्होंने चेतावनी दी कि कालाबाजारी, अनियमित वितरण या नियमों के उल्लंघन की शिकायत मिलने पर संबंधित विक्रेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वृंदावन की कुंज गलियों में टेंपो चालकों का आतंक, दुकान में घुसा टेंपो; एक व्यक्ति घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/वृंदावन। धार्मिक नगरी वृंदावन की संकरी कुंज गलियों में टेंपो संचालन को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ताजा मामला आर आर बरतन भंडार के पास का है, जहां एक तेज रफ्तार टेंपो अनियंत्रित होकर दुकान के अंदर जा घुसा। हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने टेंपो चालकों की मनमानी पर नाराजगी जताई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुंज गलियों जैसी अत्यंत संकरी जगहों पर टेंपो का संचालन लगातार दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है। स्थानीय व्यापारियों और लोगों का आरोप है कि कुछ टेंपो चालक दबंगई के बल पर गलियों में वाहन चलाते हैं, जिससे राहगीरों और दुकानदारों की जान जोखिम में बनी रहती है।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। स्थानीय लोगों

ने प्रशासन से मांग की कि गलियों में टेंपो संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए तथा दोषी चालक के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

क्षेत्र के लोगों का यह भी कहना है कि आरटीओ द्वारा टेंपो के लिए सड़क मार्ग निर्धारित किया गया है, इसके बावजूद कई टेंपो चालक गलियों में प्रवेश कर रहे हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि इस व्यवस्था की निगरानी प्रभावी ढंग से नहीं हो रही है। साथ ही उन्होंने यातायात विभाग से नियमों का सख्ती से पालन कराने और नियमित अभियान चलाने की मांग की।

मंत्रम संस्था ने किया वृक्षारोपण ,दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गरुड़। उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला के अवसर पर मंत्रम संस्था द्वारा गरुड़ में प्राकृतिक जल स्रोतों (नौलों) के समक्ष पौंधारोपण किया गया ।पौंधारोपण कार्यक्रम में उपस्थित मंत्रम संस्था के अध्यक्ष मधुसूदन जोशी ने कहा कि मंत्रम संस्था द्वारा मेरा वृक्ष मेरा मित्र अभियान के तहत वृक्षारोपण के कार्यक्रम किए जा रहे हैं । उन्होंने कहा कि हरियाली का पर्व हरेला पर्व पर प्राकृतिक जल स्रोतों के आस पास पौंधारोपण किया गया ।

कहा कि हमारे प्राकृतिक जल स्रोतों के आस पास पेड़ पौंधों का होना अति आवश्यक है जो कि भूमिगत जल के स्तर को बनायें रखने के लिए आवश्यक है। वृक्ष हमारे प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण के लिए जरूरी है और हरियाली के महापर्व हरेला के अवसर पर हम सबको पौंधे लगाने का एवं उनकी सुरक्षा करने का संकल्प लेना चाहिए ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से संस्था के सचिव नवीन जोशी, भगवती जोशी, हेमलता त्रिपाठी, मनीष, सुधा, कौस्तुबानन्द , हर्षित, दिया, मीनाक्षी, मयंक सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे ।

यातायात नियम तोड़ने पर 53 वाहनों का चालान, सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और सुरक्षित यातायात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 53 वाहनों का चालान कर कुल 84,500 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। प्रभारी यातायात अजय कुमार सिंह यादव के नेतृत्व में यातायात पुलिस टीम ने लोहरौली बॉर्डर के शिवनगर डिड़ई, बांसी कस्बा, पुलिस बूथ तिराहा, साड़ी तिराहा, सनई चौराहा और शहर क्षेत्र में जांच अभियान चलाया। इस दौरान सड़क किनारे अवैध पार्किंग, प्रेशर हॉर्न, मॉडिफाइड साइलेंसर, तेज गति और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान पीए सिस्टम के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों, गुड समेरिटन योजना, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के दुष्परिणाम, स्टंटबाजी, गलत दिशा में वाहन चलाने और तेज रफ्तार से होने वाली दुर्घटनाओं के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही यातायात नियमों के पालन के लिए पंपलेट भी वितरित किए गए।

'हर गांव का यही पैगाम- एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत कैबिनेट मंत्री ने पौधारोपण किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला के अवसर पर पिथौरागढ़ के वरदानी पार्क में 'हर गांव का यही पैगाम- एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत कुमाऊं रेजीमेंट की 130 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) द्वारा आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्य ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हरेला हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का ऐसा पर्व है, जो हमें प्रकृति के प्रति प्रेम, संवेदनशीलता और संरक्षण का संदेश देता है। इस अवसर पर पौधारोपण कर मैंने सभी से आग्रह किया कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का संकल्प भी लें। यही हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार होगा। कार्यक्रम के उपरांत पर्यावरण पार्क में भी विभिन्न प्रजातियों

के पौधों का रोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन और हरित उत्तराखंड के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष गिरीश जोशी जी, गणेश जोशी जी, जिला पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद जी, जिलाधिकारी आशीष भटगांई जी, मेयर श्रीमती कल्पना देवलाल जी, श्रीमती दीपिका बोहरा जी, इंदर लुंठी जी, दीपक लोहिया जी, आशुतोष सिंह जी, कर्नल गौरव नेगी जी एवं अक्षय प्रहलाद कोंडे जी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सैन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

'मिशन शक्ति अभियान' के अंतर्गत 'बहू-बेटी सम्मेलन' कार्यक्रम के ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण प्रारम्भ

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस महानिदेशक, गोरखपुर जोन, मुथा अशोक जैन के मार्गदर्शन तथा पुलिस महानिरीक्षक, बस्ती परिक्षेत्र संजीव त्यागी, जिलाधिकारी आलोक कुमार एवं पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीणा के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत संचालित 'बहू-बेटी सम्मेलन' कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जनपद संतकबीरनगर में ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण पुलिस विभाग एवं यूनिसेफ के सहयोग से प्रारम्भ किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 16 जुलाई 2026 को प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक मेहंदावल थाना परिसर में किया गया।

प्रशिक्षण में जनपद के तीन विकास खण्ड मेहंदावल , बेलहरकलां एवं सांथा से पुलिस विभाग, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के कुल 30 नामित प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि क्षेत्राधिकारी मेहंदावल सर्व दवन सिंह एवं थानाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों के मध्य प्रभावी समन्वय तथा समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बहू-बेटी सम्मेलन महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सामाजिक सोच विकसित करने तथा हिंसा की रोकथाम के लिए एक महत्वपूर्ण सामुदायिक पहल है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षकों की क्षमता का विकास करना है, ताकि वे अपने-अपने विकास खण्डों में ग्राम स्तरीय सुगमकताओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान कर सकें। प्रशिक्षण के उपरांत ग्राम स्तरीय

सुगमकर्ता प्रत्येक ग्राम पंचायत में 15 से 35 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं के साथ छह सप्ताह में छह विषयगत सत्र आयोजित करेंगे, जिनके माध्यम से महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, सम्मानजनक संबंधों तथा हिंसा की रोकथाम जैसे विषयों पर सामुदायिक संवाद को बढ़ावा दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बहू-बेटी सम्मेलन के उद्देश्य, संचालन की प्रक्रिया तथा ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर उनकी भूमिका की जानकारी दी गई। महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, लैंगिक समानता, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध तथा उपलब्ध सहायता सेवाओं पर चर्चा की गई।

साथ ही प्रतिभागियों को प्रभावी संवाद, सक्रिय रूप से सुनने, सही प्रश्न पूछने तथा समुदाय के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने का अभ्यास समूह चर्चा, भूमिका-अभिनय (रोल प्ले), केस स्टडी एवं अन्य सहभागी गतिविधियों के माध्यम से कराया गया। प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों की समझ का मूल्यांकन किया गया तथा आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

प्रशिक्षण को पूरी तरह सहभागी एवं व्यवहारिक बनाया गया। इसमें समूह चर्चा, भूमिका-अभिनय, गतिविधि आधारित अभ्यास, केस स्टडी तथा अनुभव साझा करने जैसी प्रशिक्षण विधियों का उपयोग किया गया, जिससे प्रतिभागी न केवल विषयवस्तु को समझ सकें, बल्कि ग्राम स्तर पर बहू-बेटी सम्मेलन का प्रभावी संचालन भी कर सकें। यूनिसेफ के मण्डलीय बाल संरक्षण सलाहकार राजेश कुमार सैनी ने बहू-बेटी सम्मेलन की अवधारणा, प्रशिक्षण की रूपरेखा, प्रशिक्षण के उद्देश्य तथा कैस्केड प्रशिक्षण मॉडल पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षकों की क्षमता का विकास करना, उन्हें विषयगत जानकारी एवं सहभागी प्रशिक्षण विधियों से सशक्त बनाना तथा ग्राम स्तरीय सुगमकताओं को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षित करने हेतु तैयार करना है। उन्होंने यह भी बताया कि बहू-बेटी सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सामाजिक दृष्टिकोण विकसित करना, उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूकता बढ़ाना, लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करना तथा हिंसा की रोकथाम के लिए समुदाय को सक्रिय रूप से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षक अपने-अपने विकास खण्डों में ग्राम स्तरीय सुगमकताओं को प्रशिक्षित करेंगे, जो आगे प्रत्येक ग्राम पंचायत में महिलाओं के साथ छह सप्ताह तक छह विषयगत सत्र आयोजित करेंगे। प्रशिक्षण में मास्टर प्रशिक्षक के रूप में सुश्री स्वीटी मंडल, मोनिका शुक्ला, सुमन मिश्रा, राजेश कुमार सिंह एवं प्रमोद त्रिपाठी ने विभिन्न विषयों पर सहभागी एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों से फीडबैक प्राप्त किया गया तथा सभी प्रतिभागियों ने अपने-अपने विकास खण्डों में बहू-बेटी सम्मेलन का प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण संचालन सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

स्पीड ब्रेकर बना हादसों की वजह, उछलकर गिरी बाइक स्टेट स्पोर्ट्स खिलाड़ी घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के सुन्ना नहर पटरी मार्ग पर महेश भट्टे के निकट बनाए गए स्पीड ब्रेकर के कारण एक और सड़क हादसा हो गया। स्पीड ब्रेकर से बाइक के अचानक उछल जाने पर स्टेट स्पोर्ट्स का खिलाड़ी गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

परिजनों और ग्रामीणों ने अवैध स्पीड ब्रेकर हटाने की मांग उठाई है। थाना क्षेत्र के गांव मखमूलपुर निवासी शुभम मलिक मेरठ में स्टेट स्पोर्ट्स की तैयारी और नियमित अभ्यास करता है। बुधवार की देर शाम प्रैक्टिस पूरी कर बाइक से अपने घर लौट रहा था।

बताया गया कि जैसे ही वह सुन्ना नहर पटरी पर स्थित महेश भट्टे के पास पहुंचा, सड़क पर बने स्पीड ब्रेकर से उसकी बाइक अचानक तेज झटके के साथ उछल गई। संतुलन बिगड़ने पर वह सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया।हादसे की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा घायल युवक को 108 एंबुलेंस की मदद से उपचार के लिए सीएचसी मैं उपचार के लिए भर्ती कराया श।

चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायल के परिजनों का आरोप है कि संबंधित भट्टा संचालक ने बिना किसी प्रशासनिक अनुमति के नहर पटरी मार्ग पर स्पीड ब्रेकर बना रखा है।

उनका कहना है कि इस अवैध स्पीड ब्रेकर के कारण पहले भी कई छोटे-बड़े हादसे हो चुके हैं, लेकिन अब तक इसे हटाने के लिए कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों में स्पीड ब्रेकर को हटाने की

घर के बाहर खेल रहे नौ वर्षीय बालक पर बंदर का हमला, जिला अस्पताल रेफर

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे के मोहल्ला शेखजादगान में घर के बाहर खेल रहे नौ वर्षीय बालक पर एक बंदर ने हमला कर उसे घायल कर दिया। परिजनों ने घायल बच्चे को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।गुरुवार को कस्बे के मोहल्ला शेखजादगान निवासी इरफान का नौ वर्षीय पुत्र साहिल अपने घर के बाहर अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। परिजनों के अनुसार, इसी दौरान एक बंदर छत से उतरकर आया और साहिल पर अचानक हमला कर दिया। बंदर के हमले से बच्चे के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और डंडों की मदद से बंदर को वहां से भगाया। परिजन घायल को नगर के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में तैनात चिकित्सक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि बच्चे को प्राथमिक उपचार देने के साथ एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई गई। बेहतर उपचार के लिए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। मोहल्ले के लोगों ने बंदरों के आतंक से छुटकारा पाने के लिए पानी का प्रशासन से बंदरों को पकड़वाने की गुहार लगाई है।

एडीएम की अध्यक्षता में जनगणना-2027 से संबंधित प्रशिक्षण/कार्यशाला का हुआ आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। अपर जिलाधिकारी (वित्त व राजस्व) सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में जनगणना-2027 के अंतर्गत DCHB (VD+TD) का प्रशिक्षण कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में सकुशल संपन्न कराया गया।

जनगणना मुख्यालय लखनऊ से श्री सुजीत एवं श्री संजय द्वारा प्रशिक्षण कार्य संपन्न कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी धनघटा रविकांत चौबे, तहसीलदार मेहदावल अल्पिका वर्मा, तहसीलदार धनघटा राम जी, नायब तहसीलदार हरे राम यादव, तहसीलदार प्रेम नारायण, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी चंद्रशेखर यादव एवं सहायकगण सम्मिलित हुए, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी/कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

नहर पटरी मार्ग पर गिरा पेड़ का तना, घंटों बाधित रहा आवागमन

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे की पूर्वी यमुना नहर पटरी स्थित सिंचाई विभाग के डाक बंगले के समीप गुरुवार को अचानक एक विशाल पेड़ का तना सड़क पर गिर गया। गनीमत रही कि उस समय कोई राहगीर या वाहन उसकी चपेट में नहीं आया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। पेड़ का तना सड़क के बीचों-बीच गिरने से नहर पटरी मार्ग पर कुछ समय के लिए आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। इस दौरान दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोगों को वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना पड़ा। इस दौरान मौके से गुजर रहे दर्जनों राहगीरों और वाहन चालकों ने एकजुट होकर पेड़ के तने को सड़क किनारे हटाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद लोगों ने तने को सड़क से हटाकर मार्ग को दोबारा सुचारु कराया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका।लोगों का कहना है कि नहर पटरी के किनारे कई पुराने और जर्जर पेड़ खड़े हैं, जो तेज हवा या बारिश के दौरान कभी भी गिर सकते हैं। उन्होंने संबंधित विभाग से ऐसे खतरनाक पेड़ों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

थाना मेहदावल पुलिस की तत्परता से 24 घंटे के भीतर अदला-बदली हुई मोटरसाइकिल बरामद, वास्तविक स्वामियों को किया गया सुपुर्द

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मेहदावल सर्वदवन सिंह के मार्गदर्शन में थाना मेहदावल पुलिस ने तत्परता एवं तकनीकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हुए मात्र 24 घंटे के भीतर अदला-बदली हुई मोटरसाइकिल को बरामद कर उसके वास्तविक स्वामी को सुपुर्द कर दिया। दिनांक 16.07.2026 को थाना मेहदावल पर परम हंस सिंह (होमगार्ड) पुत्र रामदुलारे सिंह, निवासी ग्राम सरफरा थाना मेहदावल, जनपद संतकबीरनगर द्वारा प्रार्थना पत्र देकर बताया गया कि वह अपनी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (UP58 AE 8879) से मेहदावल आए थे कुछ कार्य करने के बाद उन्होंने मोटरसाइकिल रोडवेज पर चाय की दुकान के पास खड़ी कर दी। वापस लौटने पर उनकी मोटरसाइकिल वहां नहीं मिली।

सूचना प्राप्त होते ही प्रभारी निरीक्षक थाना मेहदावल राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में का0 धीरेन्द्र प्रताप सिंह, का0 मिन्टु गुप्ता व सर्विलांस टीम थाना मेहदावल पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम ने सर्विलांस सेल के सहयोग से आसपास के सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों एवं अन्य माध्यमों से जांच की। जांच के दौरान पता चला कि राजकुमार यादव पुत्र टीमल यादव निवासी ग्राम कुनवार थाना कैंपियरगंज जनपद गोरखपुर, अपनी मोटरसाइकिल समझकर गलती से परम हंस सिंह की मोटरसाइकिल लेकर चले गए थे, जिससे दोनों वाहनों की अदला-बदली हो गई थी। थाना मेहदावल पुलिस एवं सर्विलांस सेल की सक्रियता से 24 घंटे के भीतर दोनों मोटरसाइकिलों को बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द कर दिया गया।

अपनी मोटरसाइकिल सकुशल वापस मिलने पर आवेदक परम हंस सिंह ने संतकबीरनगर पुलिस, विशेषकर थाना मेहदावल पुलिस एवं सर्विलांस टीम का आभार व्यक्त किया। पुलिस की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की स्थानीय लोगों द्वारा भी सराहना की गई।

साइबर क्राइम थाना संतकबीरनगर ने DIET में अध्यापकों को साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम थाना संतकबीरनगर अमित कुमार के पर्यवेक्षण में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से साइबर थाना प्रभारी जयप्रकाश चौबे एवं साइबर थाने की टीम ने साइबर जागरूकता एवं साइबर सुरक्षा अभियान के तहत बृहस्पतिवार को जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET), संतकबीरनगर में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

गोष्ठी के दौरान लोगों को अज्ञात कॉल, लिंक, ई-मेल, लॉटरी ऑफर, क्यूआर कोड स्कैन, फेक क्रेडिट, वर्क फ्रॉम होम, पुलिस इमपरशोनेशन, अढङ फाइल आदि के माध्यम से की जाने वाली धोखाधड़ी से सतर्क रहने हेतु बताया गया साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी अथवा ऑनलाइन अपराध की सूचना तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें अथवा cybercrime.gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें ।

साइबर अपराधियों द्वारा अनेक प्रलोभन के माध्यम से लाभार्थियों को कॉन्फ्रेंस कॉल पर लेकर सरकारी लाभ दिलाने का झांसा देकर फेक क्रेडिट, वर्क फ्रॉम होम, पुलिस इमपरशोनेशन, APK फाइल द्वारा साइबर फ्रॉड किया जा रहा है । कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अध्यापकों को साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों, ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, डिजिटल अरेस्ट, OTP साझा करने के जोखिम, सोशल मीडिया फ्रॉड, UPI एवं बैंकिंग धोखाधड़ी सहित अन्य साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

साथ ही साइबर अपराधों से बचाव के प्रभावी उपायों से अवगत कराते हुए किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 हेल्पलाइन अथवा www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया गया।

इस गोष्ठी का उद्देश्य साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने हेतु प्रेरित करना रहा ।

इस दौरान उ0 नि0 जयप्रकाश यादव, म0हे0का0 अमृता सिंह, का0 राघवेन्द्र सिंह,म0का0 प्रतीची शुक्ला सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे ।

दुधारा से जातेडीहा संपर्क मार्ग बदहाल, जिम्मेदार बने अनजान

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विकास खण्ड सेमरियावा के गांव जातेडीहा को बीएमसीटी बस्ती - मेहदावल मार्ग को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग बदहाली का शिकार है। जानकारी व मांग के बाद भी सम्बंधित जिम्मेदार अनजान बने हुए हैं।

सेमरियावा ब्लाक के बीएमसीटी मार्ग स्थित दुधारा से जातेडीहा दुबौलिया संपर्क मार्ग जिम्मेदारों की उदासीनता और लापरवाही के कारण बदहाली का शिकार है। मरम्मत व देखरेख के अभाव में सड़क पर बन आये गहरे गहरे गड्ढे राहगीरो सहित ग्रामीणों की परेशानी का सबब बने हुए हैं।

वर्तमान में इसका कोई पुरसानेहाल नहीं है। जानकारी व मांग के बाद भी सम्बंधित जिम्मेदार अनजान बने हुए हैं। ग्रामीण नसीमुद्दीन ग्राम प्रधान, कारी महबूब आलम नदवी, अब्दुल मुतल्लिब, नजीर अहमद, छाबर चौरसिया, राम नयन चौरसिया, रामचेल यादव, राम लछन, उमेश कुमार, अब्दुल हमीद, हाफिज तौफीक अहमद, राम पारस, भागमन, मोहम्मद आमिर, मुजीबुददीन आदि ने प्रशासन से समस्या के समाधान की मांग किये हैं।

लोक भवन परिसर में राज्यपाल ने पौधरोपण कर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। लोक भवन में उत्तराखण्ड के लोकपर्व हरेला को श्रद्धा, उल्लास और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ले.जन. गुरमीत सिंह (सेनि) ने राजप्रज्ञेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की तथा लोक भवन परिसर में पौधरोपण कर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया।

राज्यपाल ने कहा कि आज जब विश्व जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब हरेला हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्व का स्मरण कराता है। आइए, हम सभी अधिक से अधिक वृक्ष लगाएं, उनके संरक्षण का संकल्प लें और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित, स्वच्छ एवं समृद्ध उत्तराखण्ड और भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

खलीलाबाद नगर पालिका में पथ प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त कराने मैदान में उतरे चेयरमैन जगत जायसवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। नगर पालिका परिषद खलीलाबाद के विभिन्न वार्डों में लंबे समय से खराब पड़ी पथ प्रकाश व्यवस्था को लेकर लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

रात के समय अंधेरा होने से आवागमन प्रभावित हो रहा था और सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी बढ़ गई थीं। समस्या को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका परिषद के चेयरमैन जगत जायसवाल स्वयं सभासदों और नगर पालिका की टीम के साथ विभिन्न मोहल्लों में पहुंचे। उन्होंने वार्डवार निरीक्षण कर खराब स्ट्रीट लाइटों, विद्युत पोलों और अन्य तकनीकी खामियों की जानकारी ली तथा संबंधित कर्मचारियों को तत्काल मरम्मत और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान चेयरमैन ने स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी सुनीं और भरोसा दिलाया कि नगर के सभी वार्डों में पथ प्रकाश व्यवस्था को जल्द से जल्द पूरी तरह दुरुस्त कराया जाएगा, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

चेयरमैन जगत जायसवाल ने कहा कि नगरवासियों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर पालिका की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जहां भी स्ट्रीट लाइटें खराब हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर ठीक कराया जाए और नियमित निगरानी भी सुनिश्चित की जाए।

नगरवासियों ने चेयरमैन के मौके पर पहुंचकर समस्याओं का समाधान कराने के प्रयास की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि जल्द ही पूरे नगर की पथ प्रकाश व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित होगी।

गोल्ड मेडलिस्ट डॉ. मोनिका सिंह की पुस्तक का सीआरसी प्रेस, लंदन से प्रकाशन

सतत कृषि पर वैश्विक शोध को मिलेगी नई दिशा, डॉ मोनिका सिंह अमेठी का नाम कर रही देश दुनिया में रोशन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

अमेठी। देहरादून स्थित उत्तरांचल विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्लाइड एंड लाइफ साइंसेज के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में सहायक प्रोफेसर एवं गोल्ड मेडलिस्ट वैज्ञानिक डॉ. मोनिका सिंह की पुस्तक का प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन संस्थान टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप (सीआरसी प्रेस), लंदन, यूनाइटेड किंगडम (CRC Press), द्वारा प्रकाशन किया गया है। यह उपलब्धि भारतीय वैज्ञानिक समुदाय के साथ-साथ कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र के लिए भी गर्व का विषय मानी जा रही है। डॉ मोनिका सिंह का जन्म जनपद अमेठी विकासखंड शुकुल बाजार , ग्राम इन्दरिया के जमींदार परिवार में हुआ शुरू से ही मोनिका सिंह बेहद ही प्रतिभावान थी इनके पिता स्वर्गीय राजेंद्र प्रताप सिंह (कक्कन सिंह)का सपना था की बेटी बड़ी होकर पीएचडी करें और बेटी ने अपने पिता के सपनों को साकार किया। डॉ. मोनिका सिंह वर्ष 2021 से उत्तरांचल विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने वर्ष 2018 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से जैव प्रौद्योगिकी विषय में पीएच.डी. की तथा कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (ASRB) की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) भी उत्तीर्ण की। उनके शोध का प्रमुख क्षेत्र पर्यावरणीय जैव प्रौद्योगिकी, आणविक सूक्ष्मजीव विज्ञान, सूक्ष्मजीवी नैनोप्रौद्योगिकी, एंडोफाइटिक सूक्ष्मजीव तथा पादप-

सूक्ष्मजीव अंतःक्रियाएँ हैं। उनके 50 से अधिक शोध-पत्र प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। उनकी प्रकाशित पुस्तक सतत कृषि उत्पादकता, वैश्विक खाद्य सुरक्षा और भूख उन्मूलन में लाभकारी सूक्ष्मजीवों की भूमिका पर आधारित है। पुस्तक में पौध वृद्धि को प्रोत्साहित करने वाले राइजोबैक्टीरिया (PGPR), जैव उर्वरक, मृदा उर्वरता, पौध माइक्रोबायोम, प्रतिकूल परिस्थितियों में सूक्ष्मजीवों की भूमिका, सूक्ष्मजीवी जैव प्रौद्योगिकी, प्रिसिजन एग्रीकल्चर तथा पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों का वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

यह पुस्तक शोधकताओं, कृषि वैज्ञानिकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और नीति-निमार्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथ सिद्ध होगी तथा सतत कृषि विकास और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करेगी। डॉ. मोनिका सिंह को वर्ष 2025 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) द्वारा यंग वूमेन साइंटिस्ट अवार्ड, वर्ष 2019 में यंग साइंटिस्ट अवार्ड तथा वर्ष 2013 में भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) की इंस्पायर फेलोशिप से सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. मोनिका सिंह वर्तमान में विश्व की प्रतिष्ठित वैज्ञानिक शोध पत्रिका फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी की एसोसिएट एडिटर (सह-संपादक), अमेरिका की इंटरनेशनल जर्नल ऑफ वेजिटेबल साइंस की एसोसिएट एडिटर (सह-संपादक) तथा एशियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसायटी, चीन की सदस्य हैं। डॉ. मोनिका सिंह की इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पर शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, शोधकताओं तथा शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए इसे भारतीय विज्ञान एवं कृषि अनुसंधान के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है।

ग्रामीणों की सतर्कता से नाकाम हुई भैंस चोरी की कोशिश, एक आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली 11 मील पुलिस चौकी क्षेत्र के गांव मानकरोरा में ग्रामीणों की मुस्तैदी के चलते दिनदहाड़े भैंस चोरी का प्रयास विफल हो गया। ग्रामीणों ने चोरी की कोशिश करते हुए एक युवक को रंगे हाथों पकड़ लिया, जबकि उसका दूसरा साथी मौके से भागने में सफल रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मानकरोरा गांव में दिन के समय चोरों ने एक ग्रामीण की भैंस को निशाना बनाया। आरोपी भैंस को खोलकर ले जाने की फिराक में थे, तभी ग्रामीणों की उन पर नजर पड़ गई। आहट मिलते ही ग्रामीणों ने शोर मचाया और साहस दिखाते हुए पीछा कर एक आरोपी को दबोच लिया। वहीं, अफरा-तफरी का फायदा उठाकर उसका दूसरा साथी फरार हो गया। ग्राम प्रधान आस मोहम्मद ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए पकड़े गए आरोपी को 11 मील पुलिस चौकी के सुपुर्द कर दिया है। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें ग्रामीण आरोपी को पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। इस घटना के बाद से ग्रामीणों में रोष है और उन्होंने पुलिस प्रशासन से फरार दूसरे आरोपी को भी जल्द गिरफ्तार करने की पुरजोर मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस पकड़े गए युवक से सघन पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की निशानदेही पर फरार साथी की तलाश के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर फरार आरोपी को भी सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

बिस्कोहर नगर पंचायत कार्यालय में रोपे गए 'हरिशंकरी' के पौधे, संरक्षण का लिया संकल्प

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर । नगर पंचायत बिस्कोहर कार्यालय परिसर में 'हरिशंकरी वृक्षारोपण' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।मुख्य अतिथि अधिशासी अधिकारी अखिलेश दीक्षित ने पीपल, बरगद और पाकड़ (हरिशंकरी) के पौधों का रोपण करते हुए कहा कि यह अभियान केवल पर्यावरण शुद्धि का प्रयास नहीं, बल्कि हमारी सनातन संस्कृति का प्रतीक है। यह त्रिवेणी हमें प्रचुर मात्रा में ऑक्सीजन देगी। हमारा दायित्व है कि पौधों के वृक्ष बनने तक उनकी देखभाल करें। विशिष्ट अतिथि गायत्री परिवार के जिला संयोजक डॉ. अशोक कुमार त्रिपाठी ने कहा कि धरती को हरा-भरा रखना ही सच्ची ईश्वर सेवा है। लोक भारती संयोजक जितेंद्र वीर वर्मा ने प्रकृति के इस अनमोल उपहार को संवारने का संकल्प दोहराया। इस दौरान सभी कर्मचारियों और नागरिकों ने पौधों की सुरक्षा व नियमित सिंचन की सामूहिक शपथ ली। कार्यक्रम में वन दरोगा त्रिपुरारी शंकर दुबे, सभासद विद्या सागर गुप्ता, ओंकार जी, पंकज, अरविंद गुप्ता, विमल सिंह, अनूप पाण्डेय, मोनू गुप्ता, उमेश व चंदू सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नगर पालिका बोर्ड बैठक में विकास कार्यों पर लगी मुहर, कांवड़ यात्रा की तैयारियों को मिली प्राथमिकता

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। नगर पालिका परिषद जहांगीराबाद के सभागार में गुरुवार को आयोजित बोर्ड बैठक में शहर के चहुंमुखी विकास और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा की गई। पालिका अध्यक्ष किशन पाल सिंह लोधी की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक में नगर विकास, जलापूर्ति, सफाई और प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी विभिन्न योजनाओं को हरी झंडी दी गई। बैठक के दौरान नगर की बुनियादी समस्याओं के समाधान पर विस्तार से मंथन किया गया। अधिशासी अधिकारी गार्गी त्यागी ने एजेंडा प्रस्तुत करते हुए जून 2026 तक के आय-व्यय का अनुमोदन कराया। बैठक में मुख्य रूप से (जनसुविधाएं) नगर की सफाई, सुचारू जलापूर्ति और बेहतर प्रकाश व्यवस्था के लिए आवश्यक उपकरणों व सामग्री की खरीद और मरम्मत कार्यों को मंजूरी दी गई। (नगर विकास) 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना' के तहत विकास कार्यों की डीपीआर तैयार कर शासन को भेजने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा, राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत विकास कार्यों को भी स्वीकृति दी गई। (तकनीकी पहल) शहर में आधुनिकता लाते हुए एलईडी डिस्प्ले बोर्ड स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया। (समस्याओं का समाधान) डूंगरा जाट के निकट टूटी हुई दीवार के कारण खेतों में हो रहे जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान पर चर्चा की गई। साथ ही, शुक्रवार पैठ की एनओसी जारी करने का निर्णय भी लिया गया। बैठक के दौरान सभासदपति आदेश शर्मा और अंजलि सिसौदिया ने आगामी कांवड़ यात्रा का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाले गड्ढों को भरने और यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने की मांग की, जिसे पालिका प्रशासन ने गंभीरता से लिया। वहीं अधिशासी अधिकारी गार्गी त्यागी ने बताया कि बैठक में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को नई दरों पर भुगतान करने के प्रस्ताव पर भी सहमति बनी है। उन्होंने कहा, 'सभी निर्वाचित और नामित सभासदों की उपस्थिति में जनहित से जुड़े इन महत्वपूर्ण विषयों पर सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए हैं। इन निर्णयों का मुख्य उद्देश्य नगर के विकास कार्यों में तेजी लाना और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है।'

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

वेलकम इंडिया ब्यूरो

गोल्हौरा/सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति फेज-5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण, एंटी रोमियो अभियान और साइबर सुरक्षा को लेकर थाना गोल्हौरा पुलिस ने बुधवार को जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान महिलाओं और बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, अधिकारों और विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई।

थानाध्यक्ष रामदेव के निर्देशन में मुख्य आरक्षी विनोद कुमार और महिला आरक्षी चांदनी मिश्रा ने थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर एंटी रोमियो चेकिंग की। इसके बाद ग्राम सेमरी पहुंचकर महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं और साइबर अपराध से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया। पुलिस टीम ने वुमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस हेल्पलाइन 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, एम्बुलेंस सेवा 108, अग्निशमन सेवा 101, एल्डर हेल्पलाइन 14567 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 की जानकारी देते हुए आवश्यकता पड़ने पर इन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

निवर्तमान विधायक धीरज ओझा जनपद विकास के लिए सीएम योगी से मिलकर की चर्चा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

प्रतापगढ। लखनऊ स्थित 5, कालिदास मार्ग, मुख्यमंत्री आवास पर रानीगंज के निवर्तमान विधायक अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा ने उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री परम आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया।

भेंट के दौरान ओझा ने विधानसभा क्षेत्र रानीगंज के विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर मुख्यमंत्री से विस्तृत चर्चा की। उन्होंने रानीगंज विधानसभा के संसारपुर में निमार्णाधीन औद्योगिक क्षेत्र के लिए रुकी हुई धनराशि शीघ्र जारी कराने का आग्रह किया, ताकि निर्माण कार्य में तेजी आए तथा क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार एवं औद्योगिक विकास के नए अवसर सृजित हो सकें।

इस पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने रुकी हुई धनराशि शीघ्र जारी कर निर्माण कार्य को गति प्रदान करने का आश्वासन दिया।

इसके अतिरिक्त ओझा ने रानीगंज स्थित माँ बाराही धाम को धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के उद्देश्य से माँ बाराही कॉरिडोर के निर्माण का प्रस्ताव भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने इस विषय पर सकारात्मक आश्वासन देते हुए कहा कि इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन एवं सहयोग से रानीगंज विधानसभा के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी तथा क्षेत्र की जनता की लंबे समय से लंबित महत्वपूर्ण मांगें भी शीघ्र पूरी होंगी।

नगर निगम का जीआईएस साफ्टवेयर हुआ चालू

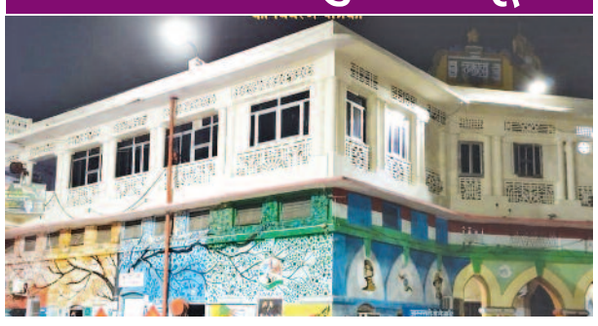

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम का जीआईएस सॉफ्टवेयर चालू हो गया है। वे सभी करदाता जिन्हें गत वर्ष नये भवनों के टैक्स बिल प्राप्त नहीं हुए है, वे ऑन लाइन या निगम आकर अपना बिल प्राप्त कर सकते हैं। चूंकि वर्तमान वर्ष की मांग पर देय 20 प्रतिशत की छूट समाप्त होने वाली है।

नगरायुक्त ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि निगम के जिन करदाताओं को नये भवनों के बिल प्राप्त नहीं हुए हैं वह नगर की वेबसाइट पीटीएएक्सएसएनएन डॉट कॉम(ptaxsnn.com) पर अपने भवन की आई डी डालकर अपना बिल प्राप्त कर सकते हैं या ऑफिस समय में नगर निगम आकर अपना बिल प्राप्त कर सकते हैं। ज्ञात हो कि वर्तमान वर्ष की टैक्स मांग पर 20 प्रतिशत की छूट निगम द्वारा दी जा रही है जो जल्द ही समाप्त होने वाली है। उन्होंने करदाताओं से अपील की कि वे शीघ्रातिशीघ्र अपना बिल जमा कर 20 प्रतिशत की छूट का लाभ उठाएं।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत, मायका पक्ष ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर/अहमदगढ़। थाना अहमदगढ़ क्षेत्र के गांव बगठारी में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला का शव घर के कमरे में पंखे से लटका मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही अहमदगढ़ पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी।

मृतका की पहचान 25 वर्षीय सुषमा देवी, पत्नी निखिल के रूप में हुई है। घटना 15 जुलाई 2026 की रात करीब 1 बजे सामने आई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतका के पिता नरेंद्र सिंह, निवासी गांव मंडनपुर (थाना अकराबाद, जनपद अलीगढ़), ने आरोप लगाया कि सुषमा की शादी करीब तीन वर्ष पहले निखिल से हुई थी। उनका कहना है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष दहेज को लेकर उनकी बेटी का उत्पीड़न करता था। उन्होंने आरोप लगाया कि सुषमा के साथ आए दिन मारपीट और गाली-गलौज की जाती थी तथा कई बार शिकायत करने के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ।

परिजनों का आरोप है कि ससुराल पक्ष ने मिलकर उनकी बेटी की हत्या की है। घटना की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण भी थाने पहुंचे और निष्पक्ष जांच की मांग की। थाना प्रभारी निरीक्षक विशंभर दयाल गंगवार ने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

नोट: दहेज हत्या के आरोप मृतका के परिजनों द्वारा लगाए गए हैं। मामले की जांच जारी है और अंतिम निष्कर्ष पुलिस जांच व पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा।

मुख्यमंत्री योगी के 18 जुलाई के बुलंदशहर दौरे को लेकर भाजपा की व्यवस्था बैठक संपन्न

जिला अध्यक्ष विकास चौहान ने कार्यकताओं को सौंपी जिम्मेदारियां, कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 18 जुलाई के प्रस्तावित बुलन्दशहर दौरे की तैयारियों को लेकर आयोजित व्यवस्था बैठक को संबोधित करते जिला अध्यक्ष विकास चौहान।

बुलंदशहर। आगामी 18 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित बुलंदशहर आगमन को लेकर भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्यालय, गंगानगर में व्यवस्था बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विकास चौहान ने की तथा संचालन जिला महामंत्री दीपक दुल्हेरा ने किया।

बैठक में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को भव्य एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई। विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए जिला व मंडल पदाधिकारियों तथा कार्यकताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। सभी कार्यकताओं से अनुशासन और समर्पण के साथ दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया गया।

जिला अध्यक्ष विकास चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री का बुलंदशहर आगमन जनपद के लिए गौरव का विषय है। यह कार्यक्रम संगठन की कार्यशैली और कार्यकताओं की एकजुटता का परिचायक बनेगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से समयबद्ध एवं समन्वित ढंग से कार्य करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष दीप्ति मित्तल, जिला महामंत्री संतोष वाल्मीकि, नीरज चौधरी, दीपक दुल्हेरा, जिला उपाध्यक्ष गर्ग दिवाकर सिंह, कुलदीप चौधरी, लोकेंद्र चौधरी, रीता लोधी, पवन लोधी, जिला मंत्री पुष्कर सिंह, दिव्यांश त्यागी, मधुर चौहान, ऋषभ पंडित, जिला मीडिया प्रभारी अभिनव वर्मा, जिला आईटी संयोजक अंशुल अगवाना, सोशल मीडिया संयोजक गौरव ठाकुर, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष शशि शर्मा, जिला महामंत्री कल्पना वर्मा, पूजा गुप्ता, पारुल बंसल, सुंदर पाल सिंह तेवतिया, सुरेंद्र शर्मा, सभासद योगेश गुप्ता, सुखदेव शर्मा, त्रिभुवन नारायण, अनुज चौहान, निक्की चौधरी, अरुण शर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार बाइक ने ई-रिक्शा को मारी जोरदार टक्कर, छह घायल

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सवार यात्री सड़क पर गिरकर घायल

अमेठी। थाना शुकुल बाजार क्षेत्र के पुलिस चौकी सत्थिन अंतर्गत सत्थिन-जगदीशपुर संपर्क मार्ग पर रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बाइक ने एक ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ई-रिक्शा में सवार लोगों सहित कुल छह लोग घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक तेज गति से आ रही थी और चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। अनियंत्रित बाइक सीधे ई-रिक्शा से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 तथा पुलिस चौकी सत्थिन की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की सहायता से सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शुकुल बाजार भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार सभी घायलों की हालत पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के चलते कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे पुलिस ने शीघ्र ही सामान्य करा दिया। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर आगे की आवश्यक विधिक कार्रवाई में जुटी है।

एसआरएम आईएसटी दिल्ली-एनसीआर परिसर में स्टाफ वेलफेयर डे का भव्य आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी), दिल्ली-एनसीआर परिसर, मोदीनगर में को ईश्वरी ऑडिटोरियम में स्टाफ वेलफेयर डे 2026 का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विशिष्ट अतिथियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों के अमूल्य योगदान का सम्मान करना तथा कर्मचारी कल्याण, संस्थागत उत्कृष्टता और सामुदायिक सहयोग के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ (इन्वोकेशन) से हुआ, जिसके पश्चात दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना सम्पन्न हुई। इस पारंपरिक आरंभ ने ज्ञान, संस्कृति एवं सकारात्मक ऊर्जा का संदेश दिया।

इसके उपरांत डॉ. नवीन अहलावत, डीन - कैंपस लाइफ ने 'नई शुरूआत, नए अवसर' विषय पर प्रेरणादायी संबोधन दिया। उन्होंने नवाचार, सकारात्मक सोच एवं सामूहिक विकास के माध्यम से संस्थान को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का आह्वान किया। इसके बाद डॉ. आर. पी. महापात्र, डीन ने 'कर्मचारी सशक्तिकरण एवं संस्थागत उत्कृष्टता' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित एवं सशक्त कर्मचारी होते हैं। एसआरएमआईएसटी दिल्ली-एनसीआर परिसर के निदेशक, डॉ. एस. विश्वनाथन ने 'विश्वास का निर्माण, साथ मिलकर विकास' विषय पर अपना प्रेरक उद्बोधन दिया। उन्होंने कर्मचारियों के समर्पण, परिश्रम एवं संस्थान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए विश्वास, सहयोग और सहभागिता को संस्थागत प्रगति का आधार बताया। इसके पश्चात केक कटिंग समारोह आयोजित किया गया, जिसने पूरे वातावरण को उत्साह, सौहार्द और पारिवारिक भावना से भर दिया। कार्यक्रम के दौरान 'सपोर्ट अ कॉज, चेंज अ लाइफ' पहल के माध्यम से सामाजिक उत्तरदायित्व एवं जनसेवा के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया गया। इसके पश्चात 'ट्रॉफीज फॉर ट्रायम्फ' समारोह में खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर यादवेन्द्र वशिष्ठ को हाफ मैराथन के विजेता के रूप में 21000 हजार रुपए पुरस्कार प्रदान किया गया तथा उनकी उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें ट्रॉफियाँ एवं सम्मान प्रदान किए गए। कार्यक्रम में आयोजित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे समारोह को जीवंत एवं उल्लासपूर्ण बना दिया। प्रतिभागियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों की भरपूर सराहना प्राप्त की। समारोह के अंत में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष, डॉ. रुपाली सिंह ने 'आपके समर्पण एवं दृढ़ता के प्रति आभार' विषय के साथ धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने मुख्य अतिथि, विश्वविद्यालय प्रशासन, आयोजन समिति तथा सभी कर्मचारियों के सहयोग एवं योगदान के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसके पश्चात सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। 'दूरदर्शी नेतृत्व का सम्मान, कर्मचारी उत्कृष्टता का उत्सव एवं हमारे समुदाय को और सशक्त बनाने' की थीम पर आयोजित यह समारोह एसआरएमआईएसटी दिल्ली-एनसीआर परिसर की उस सुदृढ़ कार्यसंस्कृति का प्रतीक रहा, जिसमें प्रत्येक कर्मचारी को संस्था की सबसे बड़ी शक्ति माना जाता है। यह आयोजन कर्मचारियों के समर्पण, उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति और सामूहिक उपलब्धियों के प्रति विश्वविद्यालय की गहरी प्रतिबद्धता का प्रेरणादायी उदाहरण सिद्ध हुआ।

समस्याओं को लेकर मोदीनगर कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री को सौंपेगा एक ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। क्षेत्र की समस्याओं को लेकर के शहर कांग्रेस कमेटी मोदीनगर का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुरादनगर आगमन पर जन समस्याओं के संबंध में एक ज्ञापन सौंपेगा। पीसीसी सदस्य सुनील शर्मा ने एसडीएम मोदीनगर को एक पत्र लिखकर मुख्यमंत्री से मुलाकात करने का अनुरोध किया है, ताकि क्षेत्र की जन समस्याएं जैसे एनसीईआरटी की किताबों को शासन आदेश के बावजूद प्राइवेट स्कूलों में नहीं लगाया जा रहा है। जिससे अभिभावकों पर भारी आर्थिक बोझ पढ़ रहा है। गन्ना किसानों का बकाया भुगतान है । जिससे किसानों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता रहा है। मोदीनगर में गांधी ग्राउंड में युवाओं की सिंथेटिक ट्रैक बनाने की और खेलों की सुविधा देने की मांग सहित कानून व्यवस्था, दलित और गरीबों पर अत्याचार,तहसील में फैला भ्रष्टाचार आदि से मुख्यमंत्री योगी आदित्य को अवगत कराया जाएगा। इनके साथ-साथ मोदीनगर में आज तक कोई बड़ा सरकारी अस्पताल नहीं है ना ही कोई ट्रामा सेंटर है इन सब मांगों को लेकर के मुख्यमंत्री से मांग की जाएगी। प्रतिनिधि मंडल में सुनील शर्मा सदस्य उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ,बृजेश कुमार सेन शहर अध्यक्ष मोदीनगर ,चांद वीर चौधरी ब्लॉक अध्यक्ष मोदीनगर, राकेश सोनी ब्लॉक अध्यक्ष गोविंदपुरी, श्री ओम शर्मा शहर उपाध्यक्ष, रामकिशन शर्मा शहर महासचिव ,सुनील कटारिया शहर महासचिव ,बबीता चौधरी वरिष्ठ नेता कांग्रेस ,अश्वनी शर्मा वार्ड अध्यक्ष ,आरिफ रिजवी शहर महासचिव ,कल्पना सिंह महिला शहर अध्यक्ष कांग्रेस आदि रहेंगे।

संपत्ति विवाद में बेटे ने पिता की गोली मारकर की हत्या

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत गांव बुदना में बुधवार की रात एक बेटे ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी । सूचना पर पुलिस के डीसीपी वी एसीपी समेत पुलिस टीम मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। संपत्ति विवाद में हत्या किए जाने की बात सामने आ रही है। हत्यारोपी बेटे की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 4 टीमें लगाई हैं। जानकारी के मुताबिक बुदाना गांव निवासी हरिओम चौधरी (52 साल) के नाम पर मोदीनगर क्षेत्र में 75 बीघा जमीन है, इसके अलावा मोदीनगर में ही जीवन अस्पताल के सामने मार्केट है। हरिओम के परिवार में पत्नी अनिता, बड़ा बेटा निखिल नेहरा और छोटा बेटा नीशू है। बड़ा बेटा निखिल शराब पीने का आदी है, इसी को लेकर पिता उसे अक्सर डांटते थे। बड़े बेटे को मार्केट में दुकानें और 25 बीघा जमीन भी दे रखी थी। लेकिन बेटा अपने हिस्से की जमीन अपने नाम कराना चाहता था जिसे लेकर पिता पुत्र में विवाद रहता था। जांच में सामने आया है कि हरिओम चौधरी ने रात में अपनी पत्नी और छोटे बेटे के साथ खाना खाया था, उस समय बड़ा बेटा घर पर नहीं था। वह रात में शराब पीकर आया जिस पर पिता ने बेटे को शराब पीने पर डांट दिया। इसी से गुस्साए निखिल (32 साल) ने पिस्टल निकाल ली। शोर सुनकर दूसरे कमरे से हरिओम की पत्नी और छोटा बेटा नीशू भी आ गए। जहां हाथापाई के बाद बड़े बेटे निखिल ने पिस्टल से पिता को गोली मार दी। चेहरे पर गोली लगने के कारण हरिओम फर्श पर गिर पड़े, इसके बाद सीने पर भी गोलियां मारी। परिजन हरिओम को अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों में उन्हें मृत घोषित कर दिया।पुलिस की जांच में सामने आया कि निखिल का शराब पीने को लेकर अपनी मां ओर पिता से पूर्व में भी झगड़ा होता रहता था। साल 2018 में भी निखिल ने अपने छोटे भाई नीशू पर भी फायरिंग की थी, जिसमें एक गोली नीशू को लगी थी। एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि बड़े बेटे निखिल ने पिता की गोली मारकर हत्या की है। जमीन के विवाद को लेकर पुलिस जांच कर रही है। तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगाई गई हैं।

एमआईईटी पब्लिक स्कूल में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, 13.34 लाख की छात्रवृत्ति प्रदान

सांसद अरुण गोविल बोले- प्रतिभा, संस्कार और अनुशासन ही उज्ज्वल भविष्य की पहचान

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। मवाना रोड स्थित एमआईईटी पब्लिक स्कूल में मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान एवं प्रोत्साहन के उद्देश्य से छात्रवृत्ति वितरण एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि मेरठ-हापुड़ लोकसभा सांसद अरुण गोविल, स्कूल चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल, स्कूल मैनेजर बरखा अग्रवाल तथा प्रधानाचार्या रूपाली सहगल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

अपने संबोधन में सांसद अरुण गोविल ने कहा कि प्रतिभा का सम्मान समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों, अनुशासन और निरंतर सीखने की भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए। पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी आवश्यक है। उन्होंने 'रामायण' पढ़ने और जीवन में उच्च मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा भी दी। उन्होंने मेधावी छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति के चेक प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समारोह में कक्षा 10वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 23 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति के रूप में 11वीं एवं 12वीं की फीस में विशेष छूट प्रदान की गई। विद्यालय की ओर से इस वर्ष कुल 13 लाख 34 हजार रुपये की छात्रवृत्ति वितरित कर विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान कक्षा 10वीं में विभिन्न विषयों में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले 10 विद्यार्थियों तथा कक्षा 12वीं के 6 विद्यार्थियों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में कक्षा 10वीं के प्रथम स्थान पर स्वर्थ सत्संगी, द्वितीय स्थान पर ईशान कुमार दक्ष तथा तृतीय स्थान पर आदित्य देव को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में साइंस संकाय के टॉपर यथार्थ सिंह, 'मैनिटीज की टॉपर दिव्यांशी खरी तथा कॉमर्स के टॉपर कुशाग गोयल को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की गई। विद्यालय ने केवल बोर्ड परीक्षाओं के मेधावियों ही नहीं, बल्कि कक्षा 1 से 9 तक प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया। साथ ही एमआईईटी ओलंपियाड के आठ विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि ओलंपियाड के प्रश्नपत्र आईआईटी के विशेषज्ञ फैकल्टी द्वारा तैयार किए गए थे, जिससे विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव प्राप्त हुआ। अनुशासन एवं नियमित उपस्थिति को प्रोत्साहित करते हुए 100 प्रतिशत उपस्थिति पुरस्कार कक्षा 5 के छात्र दिव्य चौधरी एवं कक्षा 7 के छात्र अथर्व त्यागी को प्रदान किया गया। वहीं 100 प्रतिशत टीचर अटेंडेंस अवार्ड प्रीति कथूरिया को दिया गया। समारोह के दौरान शिक्षकों के योगदान को भी विशेष सम्मान दिया गया। टीचर्स एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड से छह शिक्षकों को सम्मानित किया गया, जिनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में विभिन्न विषयों में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

इस अवसर पर डॉ हिमांशु शर्मा, श्रींजॉय बनर्जी, अजय चौधरी, एकता सक्सेना, सोनिका, विवेक, परिधि, सोनिया और नितिन भटनागर, अनुज, बिट्टू का विशेष सहयोग रहा।

योजनाओं को जमीनी स्तर तक लाभार्थियों तक पहुंचाने में सीएससी का है महत्वपूर्ण योगदान: त्यागी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सीएस सी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड की 17 वर्ष पूर्ण होने पर आधार सेवा केंद्र ब्लॉक परिसर मुरादनगर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख मुरादनगर डॉ राजीव त्यागी ने केक काटकर किया। डॉ राजीव त्यागी ने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित महत्वकांक्षी योजनाओं को जमीनी स्तर तक लाभार्थियों तक पहुंचाने में सी एस सी का महत्वपूर्ण योगदान है।

संस्था के जिला समन्वयक अभिषेक कुमार ने बताया कि प्रत्येक वर्ष संस्था की वर्षगाँठ पर जनपद में किसी भी सरकारी परिसर या कॉमन सर्विस सेंटर पर यह आयोजन किया जाता है और ब्लॉक परिसर मुरादनगर में निर्धारित सरकारी शुल्क पर आधार कार्ड पंजीकरण व संशोधन का कार्य सी एस सी द्वारा किया जा रहा है जिससे क्षेत्र के लोगो को सीधा लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम में सी एस सी जोनल प्रबन्धक श्वेत पंवार, मोहित त्यागी, नितिन चौहान, साहिल अंसारी, अब्दुल गनी, विपिन त्यागी, अंकुश कर्दम, राशि, तौसिफ आदि जन सेवा केंद्र संचालक उपस्थित रहे।

हापुड़ नगर में जय जगन्नाथ के जयघोष के नारों से गूंजा हापुड़,रथ खींचने को उमड़ा जनसैलाब

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। हापुड़ जनपद में हापुड़ के पुराना बाजार स्थित ऐतिहासिक मंदिर से गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। इस दौरान भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के दर्शन के लिए भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरा शहर जय जगन्नाथ और हरि बोल के जयकारों से गूंज उठा।

फूलों की बारिश से सराबोर मार्ग

जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान आध्यात्मिक नजारा देखने को मिला। बैंड-बाजों की धुन, ढोल-नगाड़ों की थाप और भजनों पर झूमते श्रद्धालु यात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे। जगह-जगह कई संगठनों ने रथ यात्रा पर पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत किया गया। गर्मी को देखते हुए कई स्थानों पर पानी की बौछारें भी की गई, तो वही कई जगह जल, शरबत और महाप्रसादी का वितरण भी किया गया।

रथ की रस्सी छूने के लिए मची होड़

सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार, भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचना या उसकी रस्सी को छूना सौभाग्यशाली माना जाता है। इसी आस्था के चलते रथ की डोर थामने के लिए लोगों में होड़ दिखाई दी। बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग रथ की रस्सी को छूने के लिए आतुर होते दिखाई दिए।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

जगन्नाथरथ यात्रा में उमड़े जनसैलाब को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पुलिस प्रशासन के द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। रथ यात्रा मार्ग पर पुलिस अधिकारी पल-पल की स्थिति पर नजर बनाए हुए थे। वही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यातायात की गई व्यवस्था को भी सुचारू रूप से व्यवस्थित किया गया।

कारगिल विजय दिवस पर 26 जुलाई को पूर्व सैनिक संगठन हवन कार्यक्रम का करेगा आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। पूर्व सैनिक शौर्य कल्याण संगठन मोदीनगर द्वारा आगामी 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के मौके पर महावीर चक्र विजेता शहीद मेजर आशाराम त्यागी की प्रतिमा स्थल परिसर में हवन कार्यक्रम का आयोजन करेगा। यह जानकारी देते हुए पूर्व सैनिक शौर्य कल्याण संगठन रजिस्टर्ड मोदीनगर के अध्यक्ष मनोज शर्मा पूर्व ब्लैक केट कमांडो व संयोजक लक्ष्मण सिंह राठी ने बताया कि 26 जुलाई कारगिल विजय दिवस के मौके पर शहीद मेजर आशाराम त्यागी की प्रतिमा स्थल परिसर में सुबह 7:45 बजे हवन कार्यक्रम का आयोजन होगा। हवन कार्यक्रम शांतिकुंज के विद्वान जन करेंगे जिसमें भारी संख्या में क्षेत्र के लोगों के अलावा पूर्व सैनिक भाग लेंगे। पूर्व सैनिक शौर्य कल्याण संगठन द्वारा कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष में एक कार्यक्रम एमएम कॉलेज के सभागार में किया गया जिसमें परमवीर चक्र विजेता कैप्टन योगेंद्र यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया था कार्यक्रम को सफल बनाने में मोदीनगर के अध्यक्ष मनोज शर्मा पूर्व ब्लैक केट कमांडो ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

नाले की खुदाई बनी तबाही का कारण: जेसीबी चलते ही भरभराकर गिरे मकान और दुकान, टला बड़ा हादसा

वेलकम इंडिया संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र के तिलपता गांव में नाले की खुदाई के दौरान बड़ा हादसा हो गया। जेसीबी मशीन से खुदाई करते समय एक दुकान और उसके पास स्थित निमार्णाधीन दो मंजिला मकान अचानक भरभराकर गिर गया। मकान गिरते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई।

हादसे के दौरान विद्युत लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे चिंगारियां उठने लगीं और कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। गनीमत रही कि घटना के समय मलबे के पास कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना मिलते ही संबंधित विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची तथा स्थिति का जायजा लिया। हादसे का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मकान और दुकान को भरभराकर गिरते देखा जा सकता है। प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुट गया है।

जनता की चौखट पर न्याय: अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने सुनीं फरियादें, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय एवं अपराध) श्री केशव कुमार चौधरी ने अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर शिकायत लेकर पहुंचे लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना।

उन्होंने प्रत्येक फरियादी से संवाद कर मामलों की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट किया कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों पर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई करते हुए निर्धारित समय सीमा में उनका निस्तारण किया जाए, ताकि लोगों को शीघ्र न्याय और राहत मिल सके।

मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियां तेज, क्षेत्र अध्यक्ष नवाब सिंह नागर ने कार्यक्रम स्थल का लिया जायजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री के 17 जुलाई को प्रस्तावित मुरादनगर दौरे को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। इसी क्रम में क्षेत्र अध्यक्ष नवाब सिंह नागर ने केपीटी कॉलेज, मुरादनगर स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर प्रशासनिक अधिकारियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, सुरक्षा, मंच, बैठक व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों और कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल तथा विधायक अजीत पाल त्यागी भी मौजूद रहे। सभी ने कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण करने पर जोर दिया।

हाईटेंशन लाइन का कहर: 11 हजार केवी तार टूटकर गिरा, 5 लोग झुलसे, एक की हालत नाजुक

कपिल चौहान

नोएडा (वेलकम इंडिया)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र की छिजारसी कॉलोनी में बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब 11 हजार केवी हाईटेंशन बिजली लाइन का तार अचानक टूटकर सड़क पर गिर गया। करंट की चपेट में आने से पांच लोग झुलस गए, जबकि एक स्कूटी में आग लग गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस और बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया।

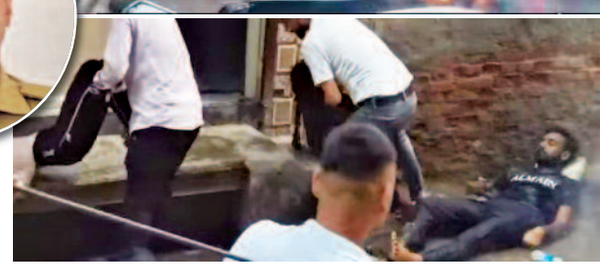

घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। एडीसीपी सेंट्रल नोएडा स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि हादसे में निधि (15 वर्ष), प्रिया (17 वर्ष), मुकेश राम (38 वर्ष), पवित्र (41 वर्ष) निवासी छिजारसी तथा रवि चौधरी घायल हुए हैं। इनमें रवि चौधरी की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि अन्य चार घायलों की स्थिति सामान्य है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और बिजली आपूर्ति बंद कराई। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हाईटेंशन लाइन का तार टूटने से यह दुर्घटना हुई।

लोनी में अवैध कॉलोनी पर जीडीए का बड़ा एक्शन, 20 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में चला बुलडोजर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध कॉलोनियों के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए गुरुवार को लोनी के मीरपुर हिंदू, नवादा स्थित सैनिक विहार कॉलोनी में बड़ी कार्रवाई की। प्रवर्तन जोन-8 के अंतर्गत करीब 20 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में विकसित की जा रही अनाधिकृत कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया गया। प्राधिकरण के अनुसार उपाध्यक्ष के निर्देश पर विशेष कार्याधिकारी एवं प्रभारी प्रवर्तन जोन-3 के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान सलमान और मोहसिन द्वारा विकसित की जा रही कॉलोनी में लगभग 60 से 70 भूखंडों की बाउंड्रीवाल, बनाई गई सड़कों और अन्य अवैध निमार्णों पर बुलडोजर चलाया गया।

ध्वस्तीकरण के दौरान स्थानीय निर्माणकताओं ने विरोध किया, लेकिन जीडीए पुलिस और स्थानीय पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित रखते हुए अभियान सफलतापूर्वक पूरा कराया। मौके पर प्रवर्तन जोन-8 का पूरा स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस दस्ता और क्षेत्रीय पुलिस बल तैनात रहा। जीडीए ने स्पष्ट किया है कि जनहित में अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

पिता-पुत्र के रिश्ते का खौफनाक अंत: बेटे ने पिता को गोलियों से भूना, मौत

मोदीनगर के बुदाना गांव में सनसनी, आरोपी पुत्र फरार; पुलिस जांच में जुटी

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मोदीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बुदाना में देर रात रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली वारदात सामने आई। 32 वर्षीय निखिल नेहरा ने कथित रूप से अपने पिता हरिओम नेहरा (करीब 55 वर्ष) की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, जबकि पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

आरोपी बेटा

मृतक पिता

जानकारी के अनुसार किसी बात को लेकर पिता-पुत्र के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद आरोपी ने पिता पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गंभीर रूप से घायल हरिओम नेहरा को परिजन तत्काल मोदीनगर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए हैं। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि आरोपी नशे का आदी बताया जा रहा है और परिवार में अक्सर विवाद होता रहता था। वहीं, स्थानीय स्तर पर जमीनी विवाद को भी घटना की संभावित वजह बताया जा रहा है।

हालांकि पुलिस ने अभी हत्या के कारण की पुष्टि नहीं की है और सभी पहलुओं पर जांच जारी है।

एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि पुत्र द्वारा पिता की हत्या किए जाने की सूचना प्राप्त हुई है। मृतक के शरीर पर चार गोली लगने के निशान पाए गए हैं। हत्या के कारणों की जांच की जा रही है तथा फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई हैं।

जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

50 साल पुराने फल विक्रेता पर दबंगई! घंटाघर मंडी में बुजुर्ग और बेटों की पिटाई का वीडियो वायरल

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर की ऐतिहासिक घंटाघर सब्जी मंडी में ठेला लगाने को लेकर हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया है। करीब 50 वर्षों से मंडी में फल बेचने वाले बुजुर्ग शकील और उनके बेटे समीर व आसिफ के साथ कथित मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आरोप है कि व्यापारी मेहता गिरी उर्फ मामा, शिवम और उनके साथियों ने ठेला न लगाने को लेकर शकील और उनके बेटों के साथ जमकर मारपीट की। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक, करीब दो महीने पहले भी इसी स्थान को लेकर विवाद हुआ था। उस समय स्थानीय विधायक संजीव शर्मा के हस्तक्षेप के बाद शकील को दोबारा घंटाघर सब्जी मंडी में फल बेचने की अनुमति मिली थी। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर कुछ व्यापारियों ने उनके परिवार पर हमला कर दिया। पीड़ित पक्ष का यह भी आरोप है कि घटना के बाद पुलिस ने वीडियो में दिखाई दे रहे आरोपितों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के बजाय शकील और उनके परिवार के लोगों को ही थाने ले जाकर हवालात में बैठा दिया। हालांकि, पुलिस की ओर से इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। फिलहाल मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस जांच और आधिकारिक कार्रवाई के बाद ही पूरे घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

2027 चुनावी तैयारी में भाजपा ने कसी कमर, 22 जुलाई के बूथ सम्मेलन को सफल बनाने के लिए बनाई रणनीति

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में साहिबाबाद स्थित मॉडर्न कॉलेज में 22 जुलाई को प्रस्तावित बूथ सम्मेलन की तैयारियों के लिए योजना बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने की, जिसमें महानगर के सभी 20 मंडलों के अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, पदाधिकारी और वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल हुए।

बैठक में मयंक गोयल ने कार्यकताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और प्रत्येक मतदाता तक पहुंचने की रणनीति पर काम करने का आह्वान किया।

उन्होंने बताया कि 22 जुलाई को मुरादनगर, गाजियाबाद और साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्रों में बूथ सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। बूथ अध्यक्षों को पन्ना प्रमुखों और बूथ समिति के साथ बैठक कर घर-घर संपर्क अभियान चलाने तथा केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। साथ ही सम्मेलन में सभी बूथ अध्यक्षों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में पूर्व विधायक कृष्णवीर सिरोही और रूप चौधरी ने भी कार्यकताओं से योजनाबद्ध तरीके से काम करते हुए बूथ सम्मेलन को सफल बनाने का आह्वान किया। इस दौरान महानगर महामंत्री पंकज भारद्वाज, प्रदीप चौहान, पूर्व एमएलसी सुरेश कश्यप सहित भाजपा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नाबालिग अपहरण व पॉक्सो मामले में वांछित महिला गिरफ्तार, अंकुर विहार पुलिस की बड़ी कार्रवाई

गाजियाबाद। थाना अंकुर विहार पुलिस ने नाबालिग के अपहरण और पॉक्सो एक्ट से जुड़े मामले में लंबे समय से वांछित चल रही महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी महिला को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, 27 अक्टूबर 2025 को पीड़िता की मां ने थाना अंकुर विहार में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि अंकुर और अजय उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर ले गए तथा विरोध करने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया। मेडिकल रिपोर्ट और पीड़िता के बयान के आधार पर मामले में गंभीर धाराओं के साथ पॉक्सो एक्ट की धाराएं भी बढ़ाई गईं। विवेचना के दौरान पुष्पा पत्नी अंकुर का नाम भी सामने आया।

इस प्रकरण में पहले ही 1 नवंबर 2025 को आरोपी अजय और 10 जुलाई 2026 को आरोपी अंकुर को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं गुरुवार को थाना अंकुर विहार पुलिस ने वांछित अभियुक्ता पुष्पा पत्नी अंकुर, निवासी ग्राम गौरीपुर निवाड़ा, थाना कोतवाली, जनपद बागपत को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि अभियुक्ता के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

वांछित हिस्ट्रीशीटर नूरी पर पुलिस का बड़ा एक्शन, तीन जेसीबी-हाइड्रा मशीनें सीज

नोएडा (वेलकम इंडिया)। थाना फेस-1 पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के वांछित हिस्ट्रीशीटर आरोपी नूरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उसकी गिरफ्तारी के लिए सेक्टर-9 स्थित आवास और संभावित ठिकानों पर दबिश दी। इस दौरान पुलिस ने आरोपी और उसके परिजनों से जुड़ी तीन जेसीबी/हाइड्रा मशीनों को वैध दस्तावेज प्रस्तुत न किए जाने पर सीज कर दिया। पुलिस के अनुसार, दबिश के दौरान सड़क किनारे खड़ी तीन जेसीबी/हाइड्रा मशीनों के संबंध में जानकारी ली गई। पूछताछ में ये मशीनें नूरी और उसके परिजनों की बताई गईं, लेकिन उनके स्वामित्व और संचालन से जुड़े कोई वैध दस्तावेज मौके पर प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इसके बाद पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम की धारा-207 के तहत तीनों मशीनों को सीज कर दिया। पुलिस ने बताया कि अभियुक्ता नूरी के खिलाफ आबकारी अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है और मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है।

कांवड़ महोत्सव: दूधेश्वरनाथ मठ से शुरू हुई तैयारियों की अंतिम रूपरेखा, नगर आयुक्त ने महंत नारायण गिरी से लिया मार्गदर्शन

2648 लाइटों से जगमगाएगा कांवड़ मार्ग, 1030 सफाई मित्र और 200 कर्मियों की टीम रखेगी स्वच्छता पर चौबीसों घंटे नजर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सावन माह में निकलने वाली विश्व प्रसिद्ध कांवड़ यात्रा को भव्य, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए नगर निगम ने व्यापक तैयारियों का खाका तैयार कर लिया है। इस बार श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए हिंडन एलिवेटेड फ्लाईओवर पर भव्य एवं ऐतिहासिक 'रामसेतु द्वारइ का निर्माण कराया जा रहा है, जो कांवड़ यात्रा की आस्था और सनातन संस्कृति का प्रतीक बनेगा। इसके साथ ही पूरे कांवड़ मार्ग को रोशनी, स्वच्छता, पेयजल और सुरक्षा की आधुनिक व्यवस्थाओं से सुसज्जित किया जा रहा है, ताकि लाखों शिवभक्तों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इन्हीं तैयारियों की समीक्षा के लिए नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने निगम अधिकारियों के साथ गुरुवार को प्राचीन दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर पहुंचकर महंत श्री नारायण गिरी जी महाराज से मुलाकात की। बैठक में कांवड़ महोत्सव से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा मंदिर परिसर एवं कांवड़ मार्ग पर आवश्यक सुविधाओं को लेकर सुझाव भी प्राप्त किए गए। महंत ने श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया, वहीं नगर आयुक्त ने भरोसा दिलाया कि नगर निगम प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ कांवड़ महोत्सव को सफल बनाएगा। बैठक के बाद मंदिर परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें आम के पौधे लगाए गए। नगर आयुक्त ने कहा कि धार्मिक आयोजनों के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना भी उतना ही आवश्यक है। पौधारोपण के माध्यम से हरियाली बढ़ाने और स्वच्छ वातावरण बनाने का संदेश दिया गया। नगर निगम ने कांवड़ मार्ग पर व्यापक सफाई अभियान की कार्ययोजना तैयार की है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से 1030 सफाई मित्रों की विशेष टीम तैनात की जाएगी, जो पूरे कांवड़ मार्ग पर चौबीसों घंटे सफाई व्यवस्था संभालेगी। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक एवं मोबाइल शौचालयों की सफाई के लिए लगभग 200 कर्मचारियों को अलग से लगाया जाएगा। पुरुषों और महिलाओं के लिए पर्याप्त संख्या में मोबाइल टॉयलेट स्थापित किए जाएंगे, जबकि कांवड़ शिविरों के बाहर डस्टबिन रखवाकर कूड़ा प्रबंधन की विशेष व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। प्रकाश व्यवस्था को लेकर भी नगर निगम ने इस बार विशेष तैयारी की है। प्रकाश विभाग द्वारा कांवड़ मार्ग पर कुल 2648 एलईडी लाइटें लगाई जाएंगी। दुहाई से दूधेश्वरनाथ मठ मंदिर, मेरठ रोड से ज्ञानी बॉर्डर तथा मोहन नगर से एनएच-9 तक पूरे मार्ग को प्रकाशमय बनाया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि रात्रि के समय लाखों श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था प्राथमिकता में रखी गई है। निर्माण विभाग की ओर से कांवड़ मार्ग पर सड़क मरम्मत का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

20 जुलाई से आवश्यक स्थानों पर बैरिकेडिंग का कार्य भी शुरू कर दिया जाएगा, जिससे कांवडियों की आवाजाही सुचारु बनी रहे और यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो। जहां आवश्यकता होगी वहां अतिरिक्त सुरक्षा अवरोधक भी लगाए जाएंगे। जलकल विभाग ने भी अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।